हरियाणा विधान सभा
की
कार्यवाही

Haryana Vidhan Sabha Secretariat
LIBRARY
Chandigarh

31 जुलाई, 2009

खण्ड-2, अंक-1

अधिकृत विवरण

विषय सूची

शुक्रवार, 31 जुलाई, 2009

	पृष्ठ संख्या
सचिव द्वारा घोषणा	(1) 1
शहीद उधम सिंह को श्रद्धांजलि	(1) 1
शोक प्रस्ताव	(1) 2
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(1) 13
नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(1) 32
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(1) 32
वाक आऊट	(1) 32
घोषणा -	(1) 34
(क) चेयरपर्सन द्वारा	
(i) चेयरपर्सन्ज के नामों की सूची	(1) 34

(ii) सदस्यों के त्यागपत्र (1) 35

(iii) अनुपस्थिति के संबंध में सूचना (1) 35

(ख) सचिव द्वारा (1) 35

कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट (1) 36

सदन की मेज पर रखे गए/पुन: रखे गये कागज पत्र (1) 38

विशेषाधिकार मामलों के संबंध में विशेषाधिकार समिति का प्रारंभिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन करने के लिए समय बढ़ाना (1) 39

वर्ष 1999-2000 से 2004-2005 तक की अवधि के दौरान सार्वजनिक सम्पत्तियों के हस्तांतरण/नीलामी/आबंटन की विस्तृत जांच करने के लिए सदन की समिति का प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना (1) 40

वर्ष 2009-2010 के लिए अनुपूरक अनुमान (प्रथम किस्त) प्रस्तुत करना (1) 41

प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना (1) 41

खापों के कार्य करने संबंधी मामले को उठाना (1) 41

वर्ष 2009-2010 के लिए अनुपूरक अनुमानों की मांगों (प्रथम किस्त) पर चर्चा तथा मतदान (1) 42

अनुपूरक अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (1) 42

Haryana Vidhan Sabha Secretariat * Chandigarh * LIBRARY

हरियाणा विधान सभा

शुक्रवार, 31 जुलाई, 2009

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में बाद दोपहर 2.00 बजे हुई। उपाध्यक्ष (श्री आजाद मोहम्मद) ने अध्यक्षता की।

सचिव द्वारा घोषणा

Mr. Secretary : Hon'ble Members, I am to inform the House that due to some unavoidable reasons, the Hon'ble Speaker is unable to preside over the today's sitting. Hon'ble Deputy Speaker will do so, as required under Rule 13(3).

शहीद उद्यम सिंह को श्रद्धांजलि

Mr. Deputy Speaker : Hon'ble Members, now the Hon'ble Chief Minister will move a resolution.

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : उपाध्यक्ष महोदय, आज सरदार उद्यम सिंह का शहीदी दिवस भी है। इस अवसर पर मैं सदन की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए रैजोल्यूशन मूव करता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, आज का दिवस हमारे देश के इतिहास में सदैव सदैव लिखा जाएगा, क्योंकि इस दिन अमर शहीद उद्यम सिंह को फांसी दी गई थी। इस महान देशभक्त की शहादत ने देश की आजादी की लड़ाई में एक नई जान फूंक दी थी।

उनका जन्म 26 दिसम्बर, 1899 को पंजाब के सुनाम में हुआ। बचपन में ही उनके माता पिता का निधन हो गया था। इसके बाद इनका पालन पोषण अमृतसर के केन्द्रीय खालसा अनाथालय में हुआ, जहां उनके बहादुरी के कारनामों को देख कर उन्हें शेर सिंह के नाम से पुकारा जाने लगा। वह बचपन से ही देशभक्ति के गीत गुनगुनाया करते थे। वह राम प्रसाद बिस्मिल के व्यक्तित्व से काफी प्रभावित थे और अक्सर उनकी गजल "सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है जोर कितना बाजू-ए-कातिल में है" गाया करते थे और अपनी शहादत देकर उन्होंने इन पंक्तियों को सार्थक कर दिखाया।

ब्रिटिश राज भारतीय इतिहास के सबसे काले अध्याय के रूप में याद किया जाता है क्योंकि इस दौरान अंग्रेजों ने भारतीयों पर अनेक अत्याचार और जुल्म किए। सबसे भयानक अत्याचार की दास्तान 13 अप्रैल, 1919 को वैसाखी वाले दिन जलियांवाला बाग में लिखी गई, जहां भोले भाले और निहत्थे लोगों पर अंग्रेजी हुकूमत ने गोलियों की बौछार करवाई, जिसमें हजारों बेगुनाह लोग मारे गए। यह नरसंहार पंजाब के तत्कालीन अंग्रेज गवर्नर जनरल ओ० डायर के आदेश पर किया गया था।

इस नरसंहार को देख धरती मां के सच्चे सपूत सरदार उद्यम सिंह ने मौत के साथ समझौता कर जलियांवाला बाग हत्याकांड के जिम्मेदार अंग्रेज गर्वनर जनरल ओ० डायर को मारने की कसम उठाई, जिसे पूरा करने के लिए वह लंदन गए और 13 मार्च, 1940 को लंदन के क्वैस्टन हॉल में एक मीटिंग के दौरान जनरल ओ० डायर की गोली मार कर हत्या कर दी। शहीद उद्यम सिंह ने भरी अदालत में कहा था- "डायर इसी लायक था कि उसकी हत्या कर दी जाए। मैंने उसकी हत्या करके

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

उसके पापों का अन्त कर दिया है। मुझे प्रसन्नता है कि मैंने अपनी प्रतिज्ञा पूरी कर दी। मुझे मृत्यु का कोई भय नहीं है। वृद्धावस्था में मरने की अपेक्षा युवावस्था में मरना अधिक अच्छा है।"

आज पूरा देश इस दिन को शहीदी दिवस के रूप में याद कर रहा है। देश की आजादी के लिए कुर्बान होने वाले इस शहीद को यह सदन श्रद्धांजलि अर्पित करता है और आज के दिन को शहीदी दिवस के रूप में मनाता है। मैंने पिछले शहीदी दिवस के अवसर पर कहा था कि मुझे गर्व है लाला लाजपतराय और अमर शहीद भगत सिंह पर, क्योंकि उनके परिवार के साथ मेरे परिवार के घनिष्ठ सम्बन्ध थे। मेरे दादा जी और शहीद भगत सिंह के चाचा जी को एक ही दिन काले पानी की सजा हुई थी, जोकि बाद में लागू नहीं हो सकी थी। आजादी को पाने के लिए अनेक देशवासियों ने कुर्बानियां दी। अमर शहीद सरदार उधम सिंह के संघर्ष और बलिदान की गौरवगाथा हमें सदा राष्ट्रप्रेम व देश के नव निर्माण के लिए प्रेरित करती रहेगी। उपाध्यक्ष महोदय, उनके सपनों को साकार करना ही हमारी उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि हरियाणा सरकार द्वारा शाहबाद में उनका स्मारक बनाने के लिए 12 कनाल भूमि प्रदान की गई है।

यह सदन शहीद उधम सिंह की शहादत को नमन करता है और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

श्री उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मैं भी सदन में व्यक्त की गई भावनाओं के साथ अपने आपको सम्मिलित करता हूं। आज शहीद उधम सिंह जी का शहीदी दिवस है। उनका जन्म पटियाला के पास सुनाम कस्बे में हुआ था। 13 अप्रैल, 1919 को बैसाखी के दिन अमृतसर के जलियांवाला बाग में हुए नरसंहार ने उनके भीतर देशभक्ति की भावना को भड़का दिया। वह भगत सिंह के विचारों से प्रभावित थे। 13 मार्च, 1940 को उन्होंने लंदन में जनरल डायर की गोली मारकर हत्या कर दी जोकि जलियांवाला बाग कांड के समय पंजाब में गवर्नर था। 31 जुलाई, 1940 को उन्हें लंदन में ही फांसी पर लटका दिया गया। उन्होंने कहा था - देश के लिए मैंने जान कुर्बान की है और मुझे अपने कार्य पर कोई अफसोस नहीं है। इस दिन उन्होंने हमारे देश की स्वतंत्रता के लिए अपने जीवन का बलिदान किया था। ऐसे महान् देशभक्त के बलिदान के योगदान से ब्रिटिश साम्राज्य से हम आजादी प्राप्त करने में सफल हुए। जिस तरह से उधम सिंह जी ने अपने जीवन का बलिदान दिया उसे हम कभी नहीं भुला सकते। आज का भारत ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानियों तथा देशभक्तों द्वारा किए गए महान बलिदानों के कारण ही कायम है। इस प्रकार के देश भक्त को श्रद्धांजलि देने का सर्वोत्तम ढंग यही है कि हम अपने देश को पूर्ण निष्ठा एवं निश्चय के साथ आन्तरिक एवं बाहरी ताकतों से सुरक्षित रखें। मुझे आशा है कि हम सभी बलिदान की भावना का अनुकरण करेंगे। अंत में हम इस महान देश भक्त को पुनः श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

शोक प्रस्ताव

Mr. Dy. Speaker : Hon'ble Members, now the Chief Minister will make the obituary references.

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : उपाध्यक्ष महोदय, पिछले सत्र और इस सत्र के बीच में बहुत सारी ऐसी महान विभूतियां जो इतिहास का चिन्ह और इतिहास की परिचायक थे उनको हमने खोया है, इनके प्रति मैं शोक प्रकट करने के लिए आपके बीच में खड़ा हुआ हूं :-

श्री राम कृष्ण गुप्ता, भूतपूर्व संसद सदस्य

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व संसद सदस्य श्री राम कृष्ण गुप्ता के 14 अप्रैल, 2009 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 27 मई, 1918 को हुआ। वह 1955, 1957 तथा 1967 में लोक सभा के लिए चुने गये। उन्होंने 'भारत छोड़ो आन्दोलन' में सक्रिय भाग लिया और जेल गये। उन्होंने भूदान आन्दोलन में भी सक्रिय भाग लिया। उन्होंने कई देशों की यात्राएं कीं।

उनके निधन से देश एक स्वतन्त्रता सेनानी, अनुभवी सांसद एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री युद्धवीर सिंह, भूतपूर्व संसद सदस्य

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व संसद सदस्य श्री युद्धवीर सिंह के 30 मार्च, 2009 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 29 मई, 1930 को हुआ। वह 1962 में लोक सभा के लिए चुने गये। वह एक निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्ता थे।

उनके निधन से देश एक सांसद एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री मनी राम गोदारा, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री श्री मनी राम गोदारा के 15 जून, 2009 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 17 नवम्बर, 1925 को हुआ। वह 1955 तथा 1957 में संयुक्त पंजाब विधान सभा के लिए चुने गये। वह 1971 में लोक सभा के लिए चुने गये। वह 1967 तथा 1996 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये। वह 1967 तथा पुनः 1996–99 के दौरान मंत्री रहे। उन्होंने कई देशों की यात्राएं कीं। वह एक निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्ता थे।

उनके निधन से देश एक अनुभवी सांसद एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री सागर राम गुप्ता, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री श्री सागर राम गुप्ता के 23 जून, 2009 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 10 नवम्बर, 1931 को हुआ। वह 1962 में संयुक्त पंजाब विधान सभा के लिए चुने गये। वह 1982 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये। वह 1984–86 के दौरान मंत्री रहे। उन्होंने कई देशों की यात्राएं कीं।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री कान्ति प्रकाश भल्ला, हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री श्री कान्ति प्रकाश भल्ला के 28 जून, 2009 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 10 मई, 1934 को हुआ। वह 1987 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये। वह 1990–91 के दौरान राज्य मंत्री रहे। वह एक निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्ता थे।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक एवं प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री निहाल सिंह, हरियाणा के भूतपूर्व उप–मंत्री

यह सदन हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के भूतपूर्व अध्यक्ष और हरियाणा के भूतपूर्व उप–मंत्री श्री निहाल सिंह के 18 मई, 2009 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 10 अक्तूबर, 1925 को हुआ। वह 1954, 1957 तथा 1962 में संयुक्त पंजाब विधान सभा के लिए चुने गये। वह 1967, 1972 तथा 1982 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये। वह 1966–67 के दौरान उप–मंत्री रहे। वह पैप्सू विधान सभा के सदस्य भी रहे। उन्होंने समाज के कमज़ोर वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री गया लाल, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री गया लाल के 6 जुलाई, 2009 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 15 जनवरी, 1930 को हुआ। वह 1967 व 1977 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये। उन्होंने समाज के कमज़ोर वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री दीना राम बाल्मीकि, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री दीना राम बाल्मीकि के 1 मार्च, 2009 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1948 में हुआ। वह 2000 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये। वह एक निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्ता थे।

उनके निधन से राज्य एक विधायक एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री चन्द्र भान गुप्ता, संयुक्त पंजाब विधान परिषद् के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन संयुक्त पंजाब विधान परिषद् के भूतपूर्व सदस्य श्री चन्द्र भान गुप्ता के 13 जुलाई, 2009 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 6 सितम्बर, 1921 को हुआ। उन्होंने 'भारत छोड़ो आन्दोलन' में सक्रिय भाग लिया। वह 1962 में संयुक्त पंजाब विधान परिषद् के सदस्य चुने गये। वह अनेक शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े रहे।

उनके निधन से देश एक स्वतन्त्रता सेनानी एवं विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन उन श्रद्धेय स्वतन्त्रता सेनानियों के निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है, जिन्होंने देश की आज़ादी के संघर्ष में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार हैं :

1. श्री चतर सिंह, गांव सीसर खरबला, जिला हिसार।
2. श्री कन्हैया सिंह, बल्लबगढ़, जिला फरीदाबाद।
3. श्री बनारसी दास, गांव बहुझोलरी, जिला झज्जर।
4. श्री सरूप सिंह, गांव बड़धासणी, जिला सोनीपत।
5. श्री बाल कृष्ण, गांव बली, जिला सोनीपत।
6. श्री शेर सिंह, गांव कोसली, जिला रेवाड़ी।
7. श्री गोपी राम, गांव देवावास कलां, जिला भिवानी।
8. श्री संत सिंह, तरावड़ी, जिला करनाल।
9. श्री पृथ्वी सिंह, समालखा, जिला पानीपत।
10. श्री बनवारी लाल, गांव डुलाना, जिला महेन्द्रगढ़।
11. श्री मनोहर लाल, गांव मारौत, जिला झज्जर।
12. श्री भगवान सिंह, गांव मुण्डाहेड़ा, जिला झज्जर।

13. श्री पत राम, गांव खेड़की माजरा, जिला गुड़गांव।
14. श्री सूरजभान, हेलीमंडी, जिला गुड़गांव।
15. श्री इन्द्र सिंह, गांव जुनौला, जिला गुड़गांव।
16. श्री अमीलाल, गांव दगडौली, जिला भिवानी।
17. श्री देई चन्द, गांव बड़ौदा, जिला जीन्द।
18. श्री नेजा सिंह, गांव बहुअकबरपुर, जिला रोहतक।
19. श्री सहज राम, गांव सुडाना, जिला रोहतक।

यह सदन इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियों को शत-शत नमन करता है और इनके शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के शहीद

यह सदन उन वीर सैनिकों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है, जिन्होंने मातृभूमि की एकता एवं अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

इन महान् वीर सैनिकों के नाम इस प्रकार हैं :

1. कमाण्डर पुष्पेन्द्र सिंह, गांव मदाना खुर्द, जिला झज्जर।
2. कैप्टन अनिल कुमार, नरवाना, जिला जीन्द।
3. लेफ्टिनैंट वरुण कुमार, जीन्द।
4. लेफ्टिनैंट सतबीर सिंह, गांव धूआ, जिला जीन्द।
5. सहायक कमाण्डैंट रामपाल, गांव छोछी, जिला झज्जर।
6. सूबेदार धर्मबीर सिंह, गांव बाढड़ा, जिला भिवानी।
7. सूबेदार राजबीर सिंह, गांव डालनवास, जिला महेन्द्रगढ़।
8. सूबेदार जसबीर सिंह, गांव बुपनिया, जिला झज्जर।
9. उप-निरीक्षक नरेश कुमार, गांव झाल, जिला रेवाड़ी।
10. हवलदार अमीर सिंह, गांव बाढड़ा, जिला भिवानी।
11. हवलदार जगदीश, गांव बनिहाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़।
12. हवलदार रणवीर, गांव गोयला कलां, जिला झज्जर।
13. नायक अश्विनी कुमार, गांव भैंसरूकलां, जिला रोहतक।
14. नायक हरिन्द्र पाल सिंह, गांव खान अहमदपुर, जिला अम्बाला।

15. लांस नायक अमरजीत सिंह, गांव कुल्लड़पुर, जिला अम्बाला।
16. लांस नायक धर्मेन्द्र सिंह, गांव मांगावास, जिला झज्जर।
17. सिपाही नीरज कुमार, गांव सिगडा, जिला महेन्द्रगढ़।
18. सिपाही सर्वजीत, गांव कलसी, जिला करनाल।
19. सिपाही सुरेश कुमार, गांव गुडियानी, जिला रेवाड़ी।
20. सिपाही खुलदीप, गांव रोहव, जिला झज्जर।
21. सिपाही राम कुमार, गांव बराड़ा, जिला अम्बाला।
22. सिपाही ब्रज लाल, गांव सुनारिया, जिला रेवाड़ी।
23. सिपाही कृष्ण कुमार, गांव कंवारी, जिला हिसार।
24. सिपाही सुमेर सिंह, गांव चमनपुरा, जिला झज्जर।
25. सिपाही अजय कुमार, गांव खालेटा, जिला रेवाड़ी।
26. सिपाही रामफल, गांव भिडानी, जिला जीन्द।
27. सिपाही संजय कुमार, गांव झाल, जिला रेवाड़ी।
28. सिपाही अजीत कुमार, गांव सलीमपुर, जिला महेन्द्रगढ़।

यह सदन इन महान् वीरों की शहादत पर उन्हें शत-शत नमन करता है और इनके शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन

मेरी बुआ सास **श्रीमती दयावती**; केन्द्रीय मंत्री कुमारी शैलजा के चचेरे भाई तथा भाभी **श्री कृष्ण कुमार व श्रीमती सरोज देवी**; राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री जिन्दल के भतीजे तथा सांसद श्री नवीन जिन्दल के चचेरे भाई **श्री शिव राम जिन्दल**; संसदीय सचिव श्रीमती कृष्णा पंडित की बहन **श्रीमती सत्यवती**; संसदीय सचिव श्री दिल्लु राम की चाची **श्रीमती कम्मो देवी**; पूर्व राज्यपाल श्री रणधीर सिंह के पुत्र **श्री नरेन्द्र सिंह**; पूर्व मंत्री श्री राम भजन अग्रवाल की पुत्रवधु **श्रीमती सन्तोष देवी**; पूर्व मंत्री श्रीमती शांति राठी के पति **श्री लखी राम राठी**; पूर्व मंत्री श्री मांगे राम की पत्नी **श्रीमती कलावती**; पूर्व मंत्री श्री सुभाष कत्याल की माता **श्रीमती सीता कत्याल**; **तथा** पूर्व विधायक श्री राम सिंह के पुत्र **श्री भूपेन्द्र कुमार** व श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा की बुआ, **श्रीमती तारा देवी** जो भूतपूर्व मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल की बहन थी व श्रीमती किरण चौधरी व श्री सोमबीर सिंह जी की बुआ सास व सांसद श्रुति चौधरी की दादी थी के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री ओमप्रकाश चौटाला (रोड़ी) : उपाध्यक्ष महोदय, आज शहीद शिरोमणी उधम सिंह का शहीदी दिवस है। हमें उन महान सपूतों पर बड़ा नाज है जिनके बलिदान की वजह से आज इस देश का हर नागरिक आजादी से सुख की सांस ले रहा है। उनका जन्म 26 दिसम्बर, 1899 को पंजाब के सुनाम कस्बे में हुआ। बचपन में ही उनके माता पिता का निधन हो गया था और एक लावारिस के तौर पर अनाथालय में उनका पालन-पोषण हुआ। आज तक भी उनके मां-बाप का किसी को पता नहीं चला लेकिन समूचा देश आज उन पर नाज करता है। अमृतसर में 13 अप्रैल, 1919 को जलियांवाला बाग में हुए जघन्य काण्ड को देख कर उनके मन में बड़ी पीड़ा हुई और उन्होंने उस समय जालिम डायर से बदला लेने की ठान ली। वहां से कई मुल्कों में होते हुए वे लन्दन पहुंचे और वैस्टन हॉल में भरी सभा में 1940 में जनरल डायर की गोली मार कर हत्या कर दी। उस समय वे वहां से बच कर भाग भी सकते थे लेकिन इतिहास के पन्नों में देश का नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज करवाने के लिए तथा भारतवर्ष का नाम विश्व में व्यापक करने की दृष्टि से वे वहीं पर उपस्थित रहे और कहा कि मुझे आज बड़ी खुशी है कि मैंने एक जालिम और पापी का अन्त करने का काम किया है। हमें उन शहीदों पर नाज़ है। समूचा देश उनके जीवन से प्रेरणा लेता है। वे हमारे देश के प्रेरणा स्रोत थे। मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से शहीद उधम सिंह की शहादत को नमन करता हूं और उनको श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, पिछले अधिवेशन और इस अधिवेशन के बीच में कुछ जानी-मानी ऐसी हस्तियां इस संसार से चली गई हैं जो इस सदन के सदस्य भी रह चुके हैं और मुश्तर्का पंजाब में भी हमारे सदस्य के तौर पर रहे हैं। लोक सभा के सदस्य भी रहे। श्री राम कृष्ण गुप्ता जी एक अच्छे योग्य और अनुभवी सांसद थे और एक शैक्षणिक संस्था से भी जुड़े हुए थे। उनका जन्म 27 मई, 1918 को हुआ। वह 1955, 1957 तथा 1967 में लोक सभा के लिए चुने गये। उन्होंने भारत छोड़ो आन्दोलन में सक्रिय भाग लिया और जेल गए। उन्होंने भूदान आन्दोलन में भी भाग लिया। उन्होंने कई देशों की यात्राएं कीं। आज मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से उनके निधन पर शोक प्रकट करता हूं। श्री युद्धवीर सिंह जी लोक सभा के सदस्य रहे थे। मैं 30 मार्च, 2009 को हुए उनके दुखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं। उनका जन्म 29 मई, 1930 को हुआ। वह 1962 में लोक सभा के लिए चुने गये थे। वे एक योग्य प्रशासक, एक अनुभवी सांसद और एक अच्छे समाज सेवक थे। मैं हरियाणा के भूतपूर्व मन्त्री श्री मनी राम गोदारा के 15 जून, 2009 को हुए दुखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं। उनका जन्म 17 नवम्बर, 1925 को हुआ। वह 1955 तथा 1957 में मुश्तर्का पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे। वे 1971 में लोक सभा के सदस्य चुने गये। वह 1967 तथा 1996 में हरियाणा विधान सभा के लिये चुने गये। वह 1967 तथा पुन: 1996-99 के दौरान मंत्री भी रहे थे। उन्होंने कई देशों की यात्राएं भी की। वे अच्छे समाज सेवक रहे और बहुत ही बोल्ड व्यक्ति और अच्छे संगठनकर्ता थे। वे एक योग्य प्रशासक और अनुभवी सांसद थे। मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। श्री सागर राम गुप्ता के 23 जून, 2009 को हुए दु:खद निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं। उनका जन्म 10 जून, 1931 को हुआ। वह 1962 में संयुक्त पंजाब विधान सभा के लिए चुने गये। वह 1982 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये। वह 1984-86 के दौरान मंत्री रहे। उन्होंने कई देशों की यात्राएं की। वे एक निहायत नेक, अनुभवी विधायक, योग्य प्रशासक साबित हुए। मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट

करता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, श्री कान्ति प्रकाश भल्ला हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री रहे। उन्होंने प्रदेश की बहुत अच्छे ढंग से सेवा करने का काम किया। उनका जन्म 10 मई, 1934 को हुआ। वह 1987 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये। वह 1990-91 के दौरान राज्य मंत्री रहे। उनके निधन पर मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से शोक प्रकट करता हूं। श्री निहाल सिंह हरियाणा के भूतपूर्व उप-मंत्री रहे और वे कांग्रेस पार्टी के प्रैजिडैंट भी रहे। उनके निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं। वह 1954, 1957 तथा 1962 में संयुक्त पंजाब विधान सभा के लिये चुने गये। वह 1967, 1972 तथा 1982 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य भी रहे। वह 1966-67 के दौरान उप-मंत्री भी रहे। वह पैप्सू विधान सभा के सदस्य भी थे। वे एक अच्छे अनुभवी विधायक और योग्य प्रशासक भी थे। उनके निधन से यह सदन और देश उनकी सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। श्री गया लाल हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य थे। वे 1967 तथा 1977 में विधान सभा के सदस्य रहे। उनके 6 जुलाई, 2009 को हुए दु:खद निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं। श्री दीना राम बाल्मीकि सन् 2000 में हरियाणा विधानसभा के लिए सदस्य चुने गए थे। उन्होंने एक अच्छे विधायक के तौर पर प्रदेश के लोगों की सेवा की थी। मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संदेवना प्रकट करता हूं।

श्री चन्द्र भान गुप्ता संयुक्त पंजाब विधान परिषद् के सदस्य रहे और वे एक अच्छे एडमिनिस्ट्रेटर थे। वे कई शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़े रहे थे। उन्होंने प्रदेश की सेवा कई मायनों में की। मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संदेवना प्रकट करता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश के कई स्वतन्त्रता सेनानी आज हमारे बीच में नहीं हैं, उनमें श्री चतर सिंह, गांव सीसर खरबला, जिला हिसार, श्री कन्हैया सिंह, बल्लबगढ़, जिला फरीदाबाद, श्री बनारसी दास, गांव बड़वासनी, जिला सोनीपत, श्री बाल कृष्ण, गांव बली, जिला सोनीपत, श्री शेर सिंह, गांव कोसली, जिला रेवाड़ी, श्री गोपी राम, गांव देधावास कलां, जिला भिवानी, श्री संत सिंह, तरावड़ी, जिला करनाल, श्री पृथ्वी सिंह, समालखा, जिला पानीपत, श्री बनवारी लाल, गांव डुलाना, जिला महेन्द्रगढ़, श्री मनोहर लाल, गांव मारौत, जिला झज्जर, श्री भगवान सिंह, गांव नुण्डाहेड़ा, जिला झज्जर, श्री पत राम, गांव खेड़की माजरा, जिला गुड़गांव, श्री सूरजभान, हेलीमंडी, जिला गुडगांव, श्री इन्द्र सिंह, गांव जुनौला, जिला गुड़गांव, श्री अमीलाल, गांव दगडौली, जिला भिवानी, श्री देई चन्द, गांव बडौदा, जिला जीन्द, श्री नेजा सिंह, गांव बहु अकबरपुर, जिला रोहतक और श्री सहज राम, गांव सुडाना, जिला रोहतक हैं। मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से उन स्वतन्त्रता सेनानियों को शत-शत नमन करता हूं तथा दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संदेवना प्रकट करता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, हमें उन शहीदों पर नाज है जिनके बलिदान और कुर्बानी की वजह से आज यह समूचा भारतवर्ष विश्व के स्तर पर एक ख्याति प्राप्त देश है। मैं उन वीरों को भी अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से शत-शत नमन करता हूं। उन महान वीर सैनिकों के नाम इस प्रकार हैं :- कमाण्डर पुथेन्द्र सिंह, कैप्टन अनिल कुमार, लेफ्टिनैंट वरुण कुमार, लेफ्टिनैंट सतबीर सिंह, सहायक कमाण्डैंट रामपाल, सूबेदार धर्मबीर सिंह, सूबेदार राजबीर सिंह, सूबेदार जसबीर सिंह, उप-निरीक्षक

[श्री ओमप्रकाश चौटाला]

नरेश कुमार, हवलदार अमीर सिंह, हवलदार जगदीश, हवलदार रणबीर, नायक अश्विनी कुमार, नायक हरिन्द्र पाल सिंह, लांस नायक अमरजीत सिंह, लांस नायक धर्मेन्द्र सिंह, सिपाही भीरज कुमार, सिपाही सर्वजीत, सिपाही सुरेश कुमार, सिपाही कुलदीप, सिपाही राम कुमार, सिपाही ब्रज लाल, सिपाही कृष्ण कुमार, सिपाही सुमेर सिंह, सिपाही अजय कुमार, सिपाही रामफल, सिपाही संजय कुमार और सिपाही अजीत कुमार हैं। मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से इन महान् वीरों की शहादत पर उनको शत-शत नमन करता हूं और इनके शोक-संतप्त सदस्यों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

इसी के साथ उपाध्यक्ष महोदय, इस सदन के कुछ सम्मानित सदस्यों के परिवारों के सदस्य भी आज हमारे बीच में से चले गए हैं। इनमें मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की बुआ सास श्रीमती दयावती, केन्द्रीय मंत्री कुमारी शैलजा के चचेरे भाई तथा भाभी श्री कृष्ण कुमार व श्रीमती सरोज देवी, राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री जिन्दल के भतीजे तथा सांसद श्री नवीन जिन्दल के चचेरे भाई श्री शिव राम जिन्दल, संसदीय सचिव श्रीमती कृष्णा पंडित की बहन श्रीमती कम्मो देवी, पूर्व राज्यपाल श्री रणधीर सिंह के पुत्र श्री नरेन्द्र सिंह, पूर्व मंत्री श्री राम भजन अग्रवाल की पुत्रवधु श्रीमती सन्तोष देवी, पूर्व मंत्री श्रीमती शांति राठी के पति श्री लखी राम राठी, पूर्व मंत्री श्री मांगे राम की पत्नी श्रीमती कलावती, पूर्व मंत्री श्री सुभाष कत्याल की माता श्रीमती सीता कत्याल तथा पूर्व विधायक श्री राम सिंह के पुत्र श्री भूपेन्द्र कुमार के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं तथा मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री नरेश मलिक : उपाध्यक्ष महोदय, आज इस सदन में सरदार उधम सिंह जी को श्रद्धांजलि दी जा रही है। उन्होंने पूरी अंग्रेजी हुकूमत को और पूरे विश्व को हिला दिया था। उनकी वजह से ही युवाओं में और दूसरे सभी लोगों में आजादी का एक नया जोश खरोश भरा। उनका नाम सदियों सदियों तक यह सदन क्या, यह हिन्दुस्तान क्या बल्कि आने वाली सभी पीढ़ियां याद रखेंगी। मैं उनको नमन करता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, पिछले अधिवेशन और इस अधिवेशन के दौरान हमारे बीच में से कुछ सांसद एवं विधायक हमें छोड़कर चले गए हैं। इनमें श्री राम कृष्ण गुप्ता, भूतपूर्व संसद सदस्य, श्री युद्धवीर सिंह भूतपूर्व संसद सदस्य, श्री मनीराम गोदारा, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री, श्री सागर राम गुप्ता, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री, श्री कान्ति प्रकाश भल्ला, हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री, श्री निहाल सिंह, हरियाणा के भूतपूर्व उप मंत्री, श्री गया लाल, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य, श्री दीना राम बाल्मीकि, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य, श्री चन्द्र भान गुप्ता, संयुक्त पंजाब विधान परिषद के भूतपूर्व सदस्य हैं। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से इन सभी के शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही जिस तरह से देश में हमारे जो स्वतंत्रता सेनानी हैं, जो आज आहिस्ता-आहिस्ता कम होते जा रहे हैं, मैं उन सभी को भी नमन करता हूं। इनके नाम इस प्रकार से हैं- श्री चतर सिंह, गांव सीसर खरबला, जिला हिसार, श्री कन्हैया सिंह, बल्लबगढ़, जिला फरीदाबाद, श्री बनारसी दास, गांव बहुझोलरी, जिला झज्जर, श्री सरूप सिंह, गांव बड़वासनी, जिला सोनीपत, श्री बाल कृष्ण, गांव बली, जिला सोनीपत, श्री शेर सिंह, गांव कोसली, जिला रेवाड़ी, श्री गोपी राम, गांव देवावास कलां, जिला भिवानी, श्री संत सिंह, तशावड़ी, जिला करनाल, श्री पृथ्वी सिंह, समालखा, जिला पानीपत, श्री बनवारी लाल, गांव डुलाना, जिला

जिला महेन्द्रगढ़, श्री मनोहर लाल, गांव मारौत, जिला झज्जर, श्री भगवान सिंह, गांव मुण्डाहेड़ा, जिला झज्जर, श्री पत राम, गांव खेड़की माजरा, जिला गुड़गांव, श्री सूरजभान, हेलीमंडी, जिला गुड़गांव, श्री इन्द्र सिंह, गांव जुनौला, जिला गुड़गांव, श्री अमीलाल, गांव दगडौली, जिला भिवानी, श्री देई चन्द, गांव बड़ौदा, जिला जींद, श्री नेजा सिंह, गांव बहुअकबरपुर, जिला रोहतक, श्री सहज राम गांव सुडाना, जिला रोहतक। उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से इन महान स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करता हूं। इनकी वजह से ही पूरे विश्व के अंदर आज हमारे देश में एक लोकतंत्र की व्यवस्था बहुत मजबूत है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से इन महान स्वतंत्रता सेनानियों के शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

इसी तरह से मैं अपनी तरफ से उन वीर शहीदों को भी नमन करता हूं जिनकी वजह से आज हम सुख शांति से अपने घरों में सोते हैं। इस देश को सुरक्षित करते हुए जिन्होंने अपनी जान शहीद की है। उनके नाम इस प्रकार से हैं- कमाण्डर पुष्पेन्द्र सिंह, गांव मदाना खुर्द, जिला झज्जर, कैप्टन अनिल कुमार, नरवाना, जिला जींद, लेफ्टिनैंट वरुण कुमार, जींद, लेफ्टिनैंट सतबीर सिंह, गांव थूआ, जिला जींद, सहायक कमाण्डैंट रामपाल, गांव छोछी, जिला झज्जर, सूबेदार धर्मबीर सिंह, गांव बाढड़ा, जिला भिवानी, सूबेदार राजबीर सिंह, गांव झालनवास, जिला महेन्द्रगढ़, सूबेदार जसबीर सिंह, गांव बुपनियां, जिला झज्जर, उप निरीक्षक नरेश कुमार, गांव झाल, जिला रेवाड़ी, हवलदार अमीर सिंह, गांव बाढड़ा, जिला भिवानी, हवलदार जगदीश, गांव बनिहाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़, हवलदार रणबीर सिंह, गांव गोयला कलां, जिला झज्जर, नायक अश्विनी कुमार, गांव भैंसरूकलां, जिला रोहतक, नायक हरिन्द्र पाल सिंह, गांव खान अहमदपुर, जिला अम्बाला, लांस नायक अमरजीत सिंह, गांव कुल्लहड़पुर, जिला अम्बाला, लांस नायक धर्मेन्द्र सिंह, गांव मांगावास, जिला झज्जर, सिपाही नीरज कुमार, गांव सिंगड़ा, जिला महेन्द्रगढ़, सिपाही सर्वजीत, गांव कलसी, जिला करनाल, सिपाही सुरेश कुमार, गांव गुडियानी, जिला रेवाड़ी, सिपाही कुलदीप, गांव रोहद, जिला झज्जर, सिपाही राम कुमार, गांव बराड़ा, जिला अम्बाला, सिपाही ब्रज लाल, गांव सुनारिया, जिला रेवाड़ी, सिपाही कृष्ण कुमार, गांव कंवारी, जिला हिसार, सिपाही सुमेर सिंह, गांव चमनपुरा, जिला झज्जर, सिपाही अजय कुमार, गांव खालेटा, जिला रेवाड़ी, सिपाही रामफल, गांव निडानी, जिला जींद, सिपाही संजय कुमार, गांव झाल, जिला रेवाड़ी, सिपाही अजीत कुमार, गांव सलीमपुर, जिला महेन्द्रगढ़। मैं अपनी तरफ से इन महान वीरों की शहादत पर इनको नमन करता हूं और इनके शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। अब मैं, हमारे सदन के जो कुछ साथी हैं उनके कुछ रिश्तेदार जो नहीं रहे हैं उनके बारे में श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, इनमें मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की बुआ सास श्रीमती दयावती, केन्द्रीय मंत्री कुमारी शैलजा के चचेरे भाई तथा भाभी श्री कृष्ण कुमार व श्रीमती सरोज देवी, राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री जिन्दल के भतीजे तथा सांसद नवीन जिन्दल के चचेरे भाई श्री शिवराम जिन्दल, संसदीय सचिव श्रीमती कृष्णा पंडित की बहन श्रीमती सत्यवती, संसदीय सचिव श्री दिल्लु राम की चाची श्रीमती कम्मो देवी, पूर्व राज्यपाल श्री रणधीर सिंह के पुत्र श्री नरेन्द्र सिंह, पूर्व मंत्री श्री राम भजन अग्रवाल की पुत्र वधू श्रीमती संतोष देवी, पूर्व मंत्री श्रीमती शांति राठी के पति श्री लखी राम राठी, पूर्व मंत्री श्रीभांगे राम की पत्नी श्रीमती कलावती, पूर्व मंत्री श्री सुभाष कत्याल की नाता श्रीमती सीता कत्याल, पूर्व विधायक श्री राम सिंह के पुत्र श्री भूपेन्द्र कुमार के दुखद निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता है। मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से इन सभी के दुखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं।

श्री उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मुख्यमंत्री महोदय ने जो शोक प्रस्ताव सदन में रखा है और दिवंगत आत्माओं के प्रति माननीय सदस्यगणों ने जो विचार प्रकट किये हैं, मैं भी अपने आप को उनकी भावनाओं के साथ जोड़ता हूँ। पिछले सैशन और इस सैशन के बीच में हमारे बीच से कई महान विभूतियां हमें छोड़ कर चली गई हैं। मुझे श्री राम कृष्ण गुप्ता, भूतपूर्व संसद सदस्य के दुखद निधन पर गहरा शोक है। वह तीन बार लोकसभा के लिए चुने गये तथा वह एक जाने माने स्वतंत्रता सेनानी थे। श्री युद्धवीर सिंह भूतपूर्व संसद सदस्य 1962 में लोकसभा के सदस्य बने तथा वह एक अनथक समाजसेवी थे। उनके निधन पर मुझे गहरा शोक है।

श्री मनी राम गोदारा हमारे अपने ही प्रदेश के भूतपूर्व मंत्री के निधन पर मुझे शोक है। वह दो बार संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे, एक बार लोकसभा के लिये चुने गये तथा दो बार इस सदन के सदस्य के रूप में प्रदेश की सेवा की। उन्होंने मंत्री के पद को दो बार सुशोभित किया। वह अपनी कार्यशैली के लिए प्रसिद्ध थे। उनके निधन से प्रदेश ने एक अनुभवी सांसद तथा योग्य प्रशासक खो दिया है। श्री सागर राम गुप्ता हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री के निधन पर मैं अपना गहरा शोक प्रकट करता हूँ। वह एक बार संयुक्त पंजाब विधान सभा तथा एक बार ही हरियाणा विधान सभा के लिये चुने गये थे। दो साल तक उन्होंने प्रदेश के वित मंत्री के रूप में सेवा की। वह एक जाने माने ट्रेड यूनियन नेता थे तथा मजदूरों की भलाई के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। उनके निधन से प्रदेश ने एक अनुभवी विधायक तथा योग्य प्रशासक खो दिया है। श्री कान्ति प्रकाश भल्ला हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री के निधन पर मुझे गहरा दुखद है। वह एक बार हरियाणा विधान सभा के लिये चुने गये तथा कुछ समय के लिये राज्य मंत्री के पद पर रहे। श्री निहाल सिंह तीन बार संयुक्त पंजाब विधान सभा के लिये चुने गये थे और तीन बार ही हरियाणा विधान सभा के लिये चुने गये थे। उन्होंने कुछ समय के लिए उप-मंत्री के पद को सुशोभित किया वह पैप्सू विधान सभा के सदस्य भी रहे। वह काफी लम्बे समय तक हरियाणा की राजनीति में सक्रिय रहे। कुछ समय तक उन्होंने हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रधान के पद को भी सुशोभित किया वह एक अनुभवी विधायक और योग्य प्रशासक थे। उनके निधन से मुझे गहरा शोक है। श्री गया लाल जी हमारे विधायक साथी श्री उदयभान जी के पिता थे वह दो बार हरियाणा विधान सभा के लिये चुने गये थे, के निधन पर मुझे गहरा शोक है। वह एक अनुभवी विधायक थे और अपने हल्के के समुचित विकास के लिए उन्होंने अमूल्य योगदान दिया। उनके निधन से प्रदेश ने एक अनुभवी विधायक तथा निष्ठावान समाजसेवी खो दिया है। श्री दीना राम बाल्मीकि इस सदन में 2000 में सदस्य चुनकर आये थे वह एक अनुभवी समाजसेवी थे। उनके निधन से मुझे गहरा शोक है। श्री चन्द्रभान गुप्ता संयुक्त पंजाब विधान परिषद् के अनुभवी सदस्य थे। स्वतंत्रता संग्राम में उन्होंने बढ़चढ़ कर भाग लिया। उनके निधन पर मुझे गहरा शोक है।

मैं उन सभी हरियाणा के स्वतंत्रता सेनानियों के निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। जिनका नाम मुख्यमंत्री महोदय ने अपने शोक प्रस्ताव में लिया है। आज इन्हीं स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों का नतीजा है कि हम एक आजाद और सुदृढ़ देश के वासी है। ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानियों को हम कभी भी भूल नहीं सकते और हमें इनसे प्रेरणा लेकर देश और प्रदेश की तन-मन-धन से सेवा करनी चाहिए।

मैं उन सभी शहीदों को शत-शत प्रणाम करता हूँ जिन्होंने देश की सीमाओं को सुरक्षित रखते हुए अपनी जान गंवा दी। हरियाणा के इन वीर सैनिकों के दुखद निधन पर मुझे गहरा शोक है।

मुझे मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की बुआ सास श्रीमती दयावती, केन्द्रीय मंत्री कुमारी शैलजा के चचेरे भाई तथा भाभी श्री कृष्ण कुमार व श्रीमती सरोज देवी, राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री जिन्दल के भतीजे तथा सांसद श्री नवीन जिन्दल के चचेरे भाई श्री शिव राम जिन्दल, संसदीय सचिव श्रीमती कृष्णा पंडित की बहन श्रीमती सत्यवती, संसदीय सचिव श्री दिल्लू राम की चाची श्रीमती कम्मो देवी, पूर्व राज्यपाल श्री रणधीर सिंह के पुत्र श्री नरेन्द्र सिंह, पूर्व मंत्री श्री राम भजन अग्रवाल की पुत्रवधु श्रीमती संतोष देवी, पूर्व मंत्री श्रीमती शांति राठी के पति श्री लखी राम राठी, पूर्व मंत्री श्री मांगे राम की पत्नी श्रीमती कलावती, पूर्व मंत्री श्री सुभाष कत्याल की माता श्रीमती सीता कत्याल तथा पूर्व विधायक श्री राम सिंह के पुत्र श्री भूपेन्द्र कुमार के दुखद निधन पर गहरा शोक है।

यह सदन दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

मैं परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूँ और उन शोक संतप्त परिवारों तक इस सदन की संवेदना पहुंचा दी जायेगी। अब मैं दिवंगत आत्माओं के सम्मान में उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन धारण करने के लिए इस सदन के सभी सदस्यों को खड़ा होने के लिए अनुरोध करता हूं।

(इस समय सदन के सभी सदस्यों ने दिवंगत आत्माओं के सम्मान में खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया।)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री उपाध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल जवाब होंगे।

Setting up of 220 K.V. Power Stations

* **1244. Shri Naresh Yadav :** Will the Power Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Goverment to set up 220 K.V. Power Stations in village Bochariya and Karia of Ateli Constituency; and

(b) if so, the time by which the construction work will be started thereon?

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala) :

(a) & (b) Sir. There is no proposal under consideration to setup 220 K.V. Sub station at village Bochariya and Karia of Ateli Constituency.

श्री नरेश यादव : उपाध्यक्ष महोदय, बिजली बोर्ड के कुछ अधिकारी हमारे यहां आए थे और इसके लिए उन्होंने 10 एकड़ जमीन अवेलेबल करवाने के लिए प्रस्ताव मांगा था। कारया गांव की 10 एकड़ जमीन का प्रस्ताव हमने लाकर दे दिया है लेकिन इस सब स्टेशन के लिए अभी तक कोई जवाब नहीं आया कि यह सब स्टेशन बना रहे हैं या नहीं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से कहना चाहता हूं कि वे इन्क्वायरी करवा लें कि बिजली बोर्ड के अधिकारियों ने खुद जमीन की डिमांड की थी और वे 220 के०वी० का सब स्टेशन लगाना चाह रहे थे। धनौंदा में 420 के०वी० का सब स्टेशन बन रहा है। बीच में कारया गांव आता है वहां 220 के०वी० का सब स्टेशन जोड़ने का

[श्री नरेश यादव]

प्रावधान बनाया गया था। इसके लिए हमने जमीन का प्रस्ताव दे दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि यह सब स्टेशन कब तक बन जाएगा ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य और सारे सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व वाली सरकार ने हरियाणा में खासकर दक्षिणी हरियाणा में बिजली वितरण प्रणाली के सुधारीकरण के लिए दूरगामी निर्णय लिए हैं। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि महेन्द्रगढ़ जिले में और उसके चारों तरफ बिजली की वितरण प्रणाली को सुधारने के लिए 420 के०वी० का एक सब स्टेशन धनौंदा में और 220 के०वी० का एक और सब स्टेशन धनौंदा में ही, 220 के०वी० का सब स्टेशन लुला अहीर में दिया है। झज्जर-2 पावर प्लांट की पावर जब आ जाएगी और अडाणी जनरेशन कम्पनी से पावर जब आ जाएगी तो 2012 तक इन सब स्टेशंज को पूरा कर देंगे। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से माननीय सदस्य और सदन को यह भी बताना चाहूंगा कि मार्च 2005 से जून, 2009 के बीच महेन्द्रगढ़ जिले में हमने 7 नए 33 के०वी० के सब स्टेशन नारनौल में,सहलान में, बुदीना में, गाजरा कलां में, ढोलेणा में, शोभापुर में और लहरौदा में लगाए हैं। इसके अलावा 8 सब स्टेशन ऐसे हैं जिनकी कैपेसिटी बढ़ाई है, जिनमें से एक 132 के०वी० का सब स्टेशन अटेली में है जो इनके हल्के में है दूसरा 132 के०वी० सब स्टेशन भी अटेली का ही है। इसके अतिरिक्त 33-33 के०वी० के सब स्टेशन महेन्द्रगढ़ जिले के दुगलाना, भौजावास, ढाणी मटोदा, कांटी, जांट और घड़ी महासर गांवों में लगाये गये हैं। इसके अतिरिक्त महेन्द्रगढ़ जिले में 49.54 कि०मी० ट्रांसमीशन लाईन 1922 लाख रुपये की लागत से लगाई गई है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा माननीय सदस्य की जिज्ञासा और चिन्ता से अपने आपको जोड़ते हुए मैं सदन को जानकारी देना चाहूंगा कि हमने महेन्द्रगढ़ जिले के लिए एक बड़े निवेश का कार्यक्रम बिजली वितरण प्रणाली को सुधारने के लिए बनाया है जिसमें 9 नये सब स्टेशन बनाये जायेंगे। 400 के०वी० और 220 के०वी० के सब स्टेशन जो धनौंदा गांव में बनाये जायेंगे उनके बारे में मैं पहले ही बता चुका हूं। इनके अतिरिक्त 132-132 के०वी० के सब स्टेशन महेन्द्रगढ़ जिले के गांव सेका, नांगल मोहनपुर और पाली गांव में लगाये जायेंगे तथा 33-33 के०वी० के सब स्टेशन गांव गुडाना, भुंडारका, भीलवाड़, सतनानी और बजाड़ में लगाये जायेंगे। इनमें से ज्यादातर सब स्टेशन 2009 के अंत तक बनकर तैयार हो जायेंगे और कुछ सब स्टेशन 2010 में, कुछ 2011 में तथा 2012 तक सारे बन जायेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त माननीय साथी के जिले में 9 ऐसे सब स्टेशन हैं जिनकी कैपेसिटी डबल की जा रही है। उनमें 132-132 के०वी० के सब स्टेशन सतनाली, महेन्द्रगढ़, कनीना खास और मुण्डियाखेड़ा के हैं तथा 33-33 के०वी० के सब स्टेशन निजामपुर, नारनौल, एम०सी०-3, एम०सी०-4, एम०सी०-5, बारदा और नांगल सिरोही के हैं जिनकी कैपेसिटी डबल की गई है। इसके अलावा 140 कि०मी० की नई ट्रांसमिशन लाईन लगायेंगे जिस पर 233 करोड़ 55 लाख 83 हजार रुपये खर्च किया जायेगा। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व में पूरे प्रदेश की बिजली व्यवस्था को ठीक करने की तरफ विशेष ध्यान दे रही है और दक्षिणी हरियाणा में बिजली के सुधार के लिए हमारी सरकार ने जो प्राथमिकताएं दी हैं वे हमारे सजग रवैये को दर्शाती हैं।

श्री नरेश यादव : उपाध्यक्ष महोदय, इसके लिए मैं माननीय मंत्री जी का और मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। आज के दिन भी 10 सब स्टेशन पर काम चल रहा है और 3-4 बनकर तैयार भी

हो चुके हैं जिनका उद्घाटन होना है। मैं माननीय मंत्री जी से यह कहना चाहता हूं कि जो मैंने जिक्र किया है इसका प्रस्ताव बिजली विभाग की तरफ से ही आया था कि बीच में 220 के०वी० का सब स्टेशन बनाने के लिए जगह चाहिए क्योंकि 400 के०वी० का सब स्टेशन तो धनौंदा में बनाया जायेगा।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी जो बताना चाहूंगा कि 400 के०वी० का सब स्टेशन धनौंदा में बना रहे हैं और 220 के०वी० का सब स्टेशन भी उसी के साथ धनौंदा में ही बनाया जायेगा। इवैक्यूवेशन ऑफ पावर जो हमारा प्लांट झज्जर में आ रहा है और जो बाहर से बिजली आयेगी उसके लिए उसकी जरूरत है। इसलिए 220 के०वी० का सब स्टेशन 400 के०वी० के सब स्टेशन के साथ-साथ वहीं धनौंदा में ही बनाया जायेगा। उपाध्यक्ष महोदय, मैं फिर भी सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि पिछले तीन साल के अंदर मार्च 2005 से लेकर जून 2009 के बीच में 8 नये सब स्टेशन 220 के०वी० के, 20 नये सब स्टेशन 132 के०वी० के, 18 नये सब स्टेशन 66 के०वी० के, 102 नये सब स्टेशन, 33 के०वी० यानि टोटल तकरीबन 148 नये सब स्टेशन 501 करोड़ रुपये की लागत से पूरे प्रदेश में बनवाये हैं। इसके अलावा 303 सब स्टेशन 395 करोड़ रुपये की लागत से अोगमैंट किए गए हैं और 2047 कि०मी० लम्बी ट्रांसमिशन लाईन 356 करोड़ रुपये की लागत से लगाई हैं जो कि हरियाणा बनने के बाद अपने आप में एक रिकार्ड है। इसके साथ-साथ आने वाले समय में 4609 करोड़ रुपये की लागत से 205 नये सब स्टेशन बनाये जायेंगे। और 129 सब-स्टेशंज को औगमैंट करेंगे। इसके अलावा 4248 किलोमीटर नई ट्रांसमिशन लाईन्ज़ हम और लगा रहे हैं जिस पर 4609.77 करोड़ रुपये खर्च आने वाले हैं। यह बिजली उत्पादन के साथ-साथ बिजली वितरण प्रणाली के तहत लास्ट माईल्ज़ इलैक्ट्रिसिटी कनैक्टिविटी के लिए जो जरूरी है उसके लिए माननीय मुख्यमंत्री और हरियाणा सरकार की सजगता को दर्शाता है कि किस प्रकार से हम बिजली वितरण और उत्पादन की ओर ध्यान दे रहे हैं। इस बात को ध्यान में रखकर ही हमने यह सारा डिटैल्ड प्रोग्राम बनाया है।

श्री फूलचन्द मुलाना : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, प्रदेश में सरकार द्वारा जो नये सब-स्टेशंज़ लगाये गये हैं और सब-स्टेशंज़ की औगमैंटेशन की गई है यह सब तो बिजली को रेगुलेट करने के लिए है लेकिन उन्होंने जिस प्रकार से प्रदेश में बिजली की दशा सुधारी है, पूरे प्रान्त में ट्यूबवैल्ज़ और गांवों के फीडरज को अलग-अलग किया है, आज पूरे प्रदेश में बिजली की कहीं कोई कमी नहीं है, मैं अपने काबिल मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि इसके लिए उन्होंने क्या-क्या कदम उठाये हैं और कहां-कहां से वे बिजली लाये हैं ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय वरिष्ठ सदस्य ने बड़ा ही वाजिब प्रश्न पूछा है। इस प्रान्त के अन्दर कांग्रेस पार्टी की मौजूदा सरकार के सत्ता की कमान सम्भालने से पहले तक हमारा जो असैंशियली थर्मल बेस है उससे बिजली का कुल उत्पादन महज़ 1587.04 मेगावाट था। पहली बार चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने बिजली उत्पादन के मामले में हरियाणा प्रदेश को स्वावलम्बी बनाने की ठोस पहल करते हुए अनेक कारगर कदम उठाये। इससे पहले विभिन्न सरकारें आती जाती रही लेकिन किसी भी सरकार ने इस ओर ठोस पहल करने की जरूरत नहीं समझी। प्रदेश की जनता से वोट हासिल करने के लिए सिर्फ वायदे किये किसी ने कहा कि न मीटर रहेगा और न ही मीटर रीडर रहेगा, किसी ने कहा कि मुझे एक बार सत्ता दो मैं लिख दूंगा कि बिजली माफ, पानी माफ और मीटर अमुक नाम लिख दूंगा। इस प्रकार के निराधार वायदे करने वाले लोग इस सदन से भी चले गये और

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

फिर यहां से जाने के उपरांत हरियाणा प्रदेश के लोगों ने भी उन्हें सिरे से नकार दिया परन्तु हमने पहली बार ज़मीनी स्तर पर बिजली उत्पादन का ठोस कार्यक्रम चलाया जिसमें 24 हज़ार करोड़ रुपये का निवेश हरियाणा की मौजूदा सरकार कर रही है। हाल ही में चौधरी छोटू राम थर्मल पावर प्लांट, यमुनानगर द्वारा 600 मेगावाट बिजली का उत्पादन शुरू किया जा चुका है। वर्ष 2009-10 में राजीव गांधी थर्मल पावर प्लांट, खेदड़ (हिसार) में बिजली का उत्पादन शुरू हो जायेगा जिससे हमें 1200 मेगावाट अतिरिक्त बिजली मिलनी शुरू हो जायेगी हमारी सरकार की यह उपलब्धि प्रान्त को बिजली के मामले में स्वावलम्बी बनाने की दिशा में मददगार सिद्ध होगी। इसके पश्चात् 2010-11 में इंदिरा गांधी थर्मल पावर प्लांट, झाड़ली-I 1500 मेगावाट बिजली का उत्पादन शुरू कर देगा जिसमें से 750 मेगावाट बिजली हमें मिलेगी और 750 मेगावाट बिजली दिल्ली को मिलेगी। उससे अगले साल यानि 2011-12 में महात्मा गांधी थर्मल पावर प्लांट, झाड़ली-II 1320 मेगावाट बिजली का उत्पादन शुरू कर देगा जिसमें से 1200 मेगावाट बिजली हरियाणा को मिलेगी। इसके अलावा 2012-13 में जो हमने अडानी और जी०एम०आर० पावर जैनरेशन कम्पनीज़ से तकरीबन 1700 मेगावाट बिजली का अनुबंध किया हुआ है वह बिजली भी हमें मिलनी शुरू हो जायेगी। उपाध्यक्ष महोदय, हमारा अनुमान है कि इस प्रकार से हम वर्ष 2013-14 में लगभग 14000 मेगावाट से ज्यादा अपनी बिजली पैदा कर पायेंगे। इसके अलावा मैं बड़ी विनम्रता से एक बात और कहना चाहता हूं कि हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन, गतिशील नेतृत्व और दूरदृष्टि की सोच के चलते कांग्रेस की यह मौजूदा सरकार अपने वर्तमान कार्यकाल के अन्दर ही यानि वर्ष 2009-10 के चालू साल में हरियाणा प्रदेश को बिजली के मामले में स्थावलम्बी बना देगी।

श्री रमेश कुमार गुप्ता : उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय बिजली मंत्री महोदय और माननीय मुख्यमंत्री महोदय का इस बात के लिए धन्यवाद करना चाहूंगा कि आज हरियाणा के लगभग सभी कंज्यूमर्ज़ को बहुत अच्छी तरह से बिजली मिल रही है। विशेष तौर पर किसानों में खुशी की लहर है क्योंकि उन्हें पैडी सीज़न के लिए भरपूर बिजली हरियाणा की मौजूदा कांग्रेस सरकार द्वारा दी जा रही है। गांवों के लिए अलग फीडर्ज की स्थापना करके समुचित बिजली की व्यवस्था की जा रही है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक बात माननीय बिजली मंत्री के ध्यान में लाना चाहूंगा कि जो डेरे व कालोनीज़ हैं उनमें अभी तक भी बिजली की कोई सुचारू व्यवस्था नहीं हो पाई है इसलिए क्या माननीय मंत्री जी डेरों और कालोनीज़ में बिजली का पर्याप्त बंदोबस्त करने के लिए कोई ठोस और कारगर कदम उठायेंगे? क्या सरकार कोई ऐसा प्रावधान करेगी जिससे उनकी बिजली की समस्या का समाधान हो सके ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने बड़ा ही वाजिब प्रश्न उठाया है। जैसा कि सभी जानते हैं कि इस बार बारिश पिछले सालों के मुकाबले आधे से भी कम हुई है जिस कारण हरियाणा भी देश के बाकी राज्यों की तरह ही बारिश की कमी से ग्रस्त है और दूसरा यह कि ऊपर के जो कैचमैंट एरियाज़ हैं जहां से हमें सिंधाई वगैरह के लिए पानी प्राप्त होता है वह भी हमें आधे से कम मिल पाया है लेकिन फिर भी माननीय मुख्यमंत्री ने हरियाणा के लोगों से यह वायदा किया था कि हम 01 जुलाई, 2009 से हरियाणा प्रदेश के किसानों को ट्यूबवैल्ज़ के लिए क्रमबद्ध तरीके से नियमित तौर पर 8 घण्टे बिजली देंगे। उपाध्यक्ष महोदय, जैसा माननीय सदस्य ने भी कहा, मैं माननीय

सदस्य को और इस सदन को यह बताना चाहता हूँ कि हमने हरियाणा में किसानों को 8 घण्टे बिजली दी है। यद्यपि हरियाणा में बारिश कम हुई है लेकिन हमने किसानों की धान की फसल को सूखने नहीं दिया। जहाँ-जहाँ पर ट्यूबवैल सैग्रीगेट हो गये हैं वहाँ सभी गाँवों में 14 घण्टे से अधिक बिजली दे रहे हैं बल्कि कुछ जगहों पर तो 17-18 घण्टे तक डोमैस्टिक बिजली हमने दी है। 6764 गाँवों में से हम 90 परसैंट काम पूरा कर चुके हैं। महेन्द्रगढ़ में हम सैग्रीगेट कर चुके हैं और रेवाड़ी में अभी कर रहे हैं। थोड़ा बहुत काम बचा है वह 2 महीने में पूरा हो जायेगा। माननीय मुख्य मंत्री जी डेरों को बिजली देने को लेकर बहुत चिंतित हैं तथा उन्होंने हमें निर्देश दिये हैं कि इसे इग्जामिन करके प्रोपोजल पुटअप करो ताकि डेरों को भी गाँवों की घरेलू सप्लाई की तरह ही बिजली सप्लाई दी जा सके। हमें यह ऐग्जामिन करने के निर्देश दिये गये हैं कि इस काम पर कितना खर्च आयेगा, कितनी अतिरिक्त बिजली की जरूरत पड़ेगी और इस काम के लिए पैसे का इंतजाम किस मद में किया जायेगा ? हम इसको जल्दी ही ऐग्जामिन करेंगे और माननीय मुख्य मंत्री जी के समक्ष वह प्रोपोजल लेकर जायेंगे और उनके निर्देशानुसार काम करेंगे। हमारे हरियाणा में सिरसा, फतेहाबाद, कुरुक्षेत्र और कैथल जिलों में डेरों की संख्या अधिक है। हम कोशिश कर रहे हैं कि उनको भी वही सप्लाई दे सकें जो हम गाँवों में लाल डोरे के अन्दर दे रहे हैं जिसकी अब माँग भी उठने लगी है। माननीय मुख्य मंत्री जी बहुत जल्दी ही इस पर निर्णय करने वाले हैं और हम माननीय सदस्य को इस बारे में की गई कार्यवाही के बारे में सूचित भी कर देंगे।

श्री बलवन्त सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, जैसा मंत्री जी कह रहे हैं वैसा नहीं है। गाँवों में बिजली है ही नहीं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : बलवन्त सिंह जी, आप अभी बैठिए यह प्रश्नकाल है। आगे आपके प्रश्न लगे हैं आप उस समय पूछ सकते हैं। इनकी कोई बात रिकॉर्ड न की जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलवन्त सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, * * * *

श्री उपाध्यक्ष : आप बैठिये अभी प्रश्नकाल चल रहा है। कृपया आप अपनी सीट पर बैठिए।

श्री साहिदा खान : उपाध्यक्ष महोदय, * * * * *

श्री उपाध्यक्ष : आप बैठिये, अब अगला प्रश्न भी शुरू हो चुका है। मंत्री जी जवाब दे रहे हैं। आप बाद में बोल लेना। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : उपाध्यक्ष महोदय, अब तो अगला प्रश्न भी शुरू हो चुका है और मैंने प्रश्न का जवाब भी दे दिया है। अब इस बात का कोई औचित्य नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय सभापतियों की सूची में से एक माननीय सदस्य श्री कर्ण सिंह दलाल पदासीन हुए।)

श्री सभापति : डॉ० सीता राम जी, आपका सवाल है आप पूछिए। It is your turn. Your turn is on the agenda. Ask your question. (Noise & interruptions)

श्री बलवन्त सिंह : सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी कह रहे हैं कि गांवों में 14 घण्टे बिजली दे रहे हैं लेकिन मेरे हल्के में ऐसा नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

श्री सभापति : बलवन्त सिंह जी, आप बैठिये, आप विधानसभा के तौर-तरीके जानते हैं। आप बैठिये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री साहिदा खान : सभापति महोदय, हम बिजली के बारे में पूछ रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री सभापति : साहिदा खान जी, आप बैठिये, मैं खड़ा हूँ। मैं आपको बता रहा हूँ। साहिदा खान जी आप बैठिये। सीता राम जी, आप अपना सवाल पूछिए।

F.I.R. against Atul Goel and others

*** 1249. Shri Karan Singh Dalal :** Will the Chief Minister be pleased to State:—

(a) whether any FIR No. 35 dated 11.2.2007 was registered in PS, Sector-56, Gurgaon u/s 420/467/468/471/506 and 120-B against Atul Goel and others; and

(b) if so, the action taken in this case together with the present status of this case ?

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala) :

(a) Yes Sir.

(b) Case FIR No. 35 dated 11.02.2007 u/s 420/467/468/471/120-B of IPC, PS Sector-56, Gurgaon was registered on the complaint of Sh. Ashok Kumar Mittal s/o Sh. Krishan Kumar Mittal r/o H.No. 1785, Sector 23 B, Chandigarh against Sanjeev Goel, Atul Kumar Goel, Rajiv Kumar Goel, Saneep Kumar Goel, Babu Ram Goel, Vinod Kumar, Anil Kumar, Mange Ram Jat, Jitender Singh, Banarsi Dass and some other unknown persons on the allegation that the accused persons entered into a criminal conspiracy and prepared forged documents including a sale agreement dated 11.12.2004 with the intent to grab the complaint's plot No. 2221, Sector 57, Gurgaon. A detailed investigation has since been conducted and the allegations made in the FIR have not been proved. A closure report has been prepared and filed in the Court of Illaqa Magistrate on 28.07.2009.

श्री सभापति (श्री कर्ण सिंह दलाल) : मैं मन्त्री जी द्वारा दिए गए जवाब से सन्तुष्ट हूँ।

Assandh Sugar Mill

***1268. Dr. Sita Ram :** Will the Cooperation Minister be pleased to state—

(a) the date on which the Assandh Sugar Mill was set-up togetherwith the total expenditure incurred on its construction;

(b) the number of seasons for which the abovesaid Mill functioned togetherwith the quantum of sugar cane crushed alongwith the total production there from in each season ; and

(c) the total expenditure incurred on the crushing of sugar cane in a season?

Agriculture Minister (Sardar Harmohinder Singh Chatha :-

(a) HAFED Sugar Mill, Assandh was set up on 19.12.08 and an expenditure of Rs. 6754.23 lacs has been incurred on its consruction.

(b) The mill has functioned in its first crushing season of 2008-09. The Mill crushed 1,17,316 quintals cane and produced 5166 quintals sugar and 5516 quintals molasses in that season.

(c) The expenditure incurred on crushing of sugar cane during the season 2008-09 was Rs. 101.49 lacs.

15.00 बजे **डॉ० सीता राम** : चेयरपर्सन सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि शूगर मिल की क्रशिंग कैपेसिटी कितनी है और यह भी जानना चाहूंगा कि इस सीजन के अन्दर इस शूगर मिल को चलाने से कितना फायदा या नुकसान हुआ है। क्या ये बताने की कृपा करेंगे?

सरदार एच० एस० चट्ठा : चेयरमैन सर, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि इस मिल की क्रशिंग कैपेसिटी 25 हजार क्विंटल पर डे है। जहां तक इस मिल को चलाने से हुए नुकसान का ताल्लुक है, इसके कई कारण रहे हैं। यह नुकसान इस वजह से नहीं हुआ कि हमारी तरफ से या सरकार की तरफ से या ऐडमिनिस्ट्रेशन की तरफ से कोई कोताही हुई है। इनकी सरकार के समय में पन्नी वाला मोटा में लगाई गई मशीन का चलाना इसका कारण रहा है। पन्नी वाला मोटा में इनके हल्के से मशीन ले कर आए। इनकी सरकार की कृपा से वह मशीन वहां लगाई गई थी जहां पर नरमा की फसल होती है। वह मशीन तीन साल चली और इन तीन साल में इतना घाटा पड़ गया जितनी उस मशीन की कीमत थी। यह मशीन तीन साल तक बन्द रही। उसके बाद वह मैटीरियल वहां से हम लेकर आए और उस मशीन में कुछ और इम्पलीमैंट डाल कर उस मशीन को चलाया गया। केवल एक महीना वह मशीन चली। पहले साल वह दिसम्बर में चली और जनवरी में बन्द हो गई। अब हमने गन्ने का ग्रोथ बढ़ाया है। हमें यह उम्मीद है कि अब यह मशीन चलेगी। अब हम गन्ने के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं।

डॉ० सीता राम : चेयरमैन सर, मुझे यह पता चला है कि पूरे प्रदेश के अन्दर गन्ने की खेती कम होती जा रही है। एक तरफ सरकार कह रही है कि हम किसानों को प्रोत्साहन देने का काम कर रहे हैं तथा गन्ने की खेती को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं। इस स्थिति को देख कर ऐसा नहीं लगता कि यह मिल अपनी फुल कैपेसिटी पर चल पायेगी। इसी वजह से देश के अन्दर आज चीनी के दाम बढ़े हैं और आम लोगों की दिक्कतें बढ़ी हैं। चेयरमैन सर, मैं अपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या गन्ने की खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार कोई कदम उठाएगी?

सरदार एच०एस० चट्ठा : चेयरमैन सर, यह बात ठीक है कि गन्ने की खेती कम हुई है। मैं अपने माननीय मुख्यमंत्री जी को मुबारिकबाद देता हूं, मैं सैंट्रल गवनमैंट को मुबारिकबाद देता हूं जिन्होंने पैडी और गेहूं के इतने रेट्स बढ़ाए। पैडी की फसल 800-900 रुपये प्रति क्विंटल पर बिकती थी वह 3400 पर बिकी जिसकी वजह से किसान एलोर हो कर उसी तरफ आया। गन्ने की जगह पैडी और गेहूं की फसल लगानी शुरू कर दी। अब सवाल यह आता है कि गन्ने की फसल की बढ़ौत्तरी करनी है। हरियाणा में पहले हमारे माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार ने आते ही सबसे पहले हिन्दुसतान में गन्ने का रेट सबसे ज्यादा 138 रुपये प्रति क्विंटल किसान को दिया जो

[सरदार एच०एस० चट्ठा]

कि इससे पहले कभी भी न हीं दिया गया था। चेयरमैन सर, इनके वक्त की बात है हमने बड़े पानी के फव्वारे झेले, हमारे ऊपर प्रैशर से पानी डालते थे और ये लोग गन्ने का रेट एक रुपया क्विंटल बढ़ाते थे। हुड्डा साहब ने एक ही दफा गन्ने का रेट 138 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया (विघ्न) चेयरमैन सर, अभी इन्हें सब्र करना चाहिए मैं इनकी बात का जवाब दे रहा हूं। इनको पेशैंस रखनी चाहिए।

श्री सभापति : डॉ० साहब, मंत्री जी जवाब दे रहे हैं, इनको जवाब देने दीजिए उसके बाद आप सप्लीमैंट्री पूछें। (विघ्न) बलवन्त सिंह जी, आप बैठिए। (विघ्न)

सरदार एच०एस० चट्ठा : चेयरमैन सर, इस साल हमारी सरकार ने गन्ने के भाव 170 रुपये प्रति क्विंटल दिए हैं जोकि हिन्दुस्तान में सबसे ज्यादा हैं, अगला रेट अभी अनाऊंस नहीं हुआ है। मैं उम्मीद करता हूं कि जब भी मुख्यमंत्री जी नए रेट्स देंगे, वे भी सारे हिन्दुस्तान में सबसे ज्यादा, ही होंगे। (विघ्न) Let me finish. (विघ्न) चेयरमैन सर, इन्होंने बोलते हुए एक बात और कही कि गन्ने की फसल की बढ़ौतरी के लिए हमारी सरकार ने क्या किया। मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहूंगा कि गन्ने की पैदावार में बढ़ौतरी के लिए हम बढ़िया सीड लाए हैं और उसके साथ-साथ नई टैक्नोलोजी भी लाए हैं। पहले गन्ना 300 क्विंटल प्रति एकड़ से ऊपर पैदा नहीं होता था। अब हम जो नई टैक्नीक लाए हैं उससे 600 से 700 क्विंटल प्रति एकड़ पैदा हो जाता है। इसके साथ-साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि आज दिन प्रति दिन लेबर प्रोब्लम बढ़ रही है, इसकी वजह से बहुत से लोग खेतों में गन्ना लगाना ही छोड़ गए थे। चेयरमैन सर, मैं आपके माध्यम से सदन में बताना चाहूंगा कि हम एक मशीन को इम्पोर्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। यह मशीन गन्ना काटेगी, छीलेगी और उसके टोटे करके डाल देगी। इस मशीन के आने से हमारे यहां पर लेबर की जो प्रोब्लम आ रही थी वह प्रोब्लम खत्म हो जाएगी और गन्ने के उत्पादन में बढ़ौतरी होगी। इसके साथ-साथ जो दो नई टैक्नीक गन्ने की बुआई की आई हैं उससे भी गन्ने के उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी। एक खड्डे वाली और दूसरी लम्बे नाले वाली टैक्नीक है। इस टैक्नीक की वजह से 700-700 और 800-800 क्विंटल गन्ना प्रति एकड़ में पैदा होता है। मुझे पूरी उम्मीद है कि आने वाले दो सालों में गन्ने की पैदावार बहुत बढ़ जाएगी।

डॉ० सीता राम : चेयरमैन सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदेश के अन्दर लोगों को आज जो चाय मिलती है उसका टेस्ट या तो कड़वा हो गया है या फीका हो गया है। यह सरकार हरियाणा के लोगों को कब मीठी चाय पिलाने का कष्ट करेगी क्योंकि आज चीन के दाम बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं। इस वजह से चीनी आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गई है। क्या यह सरकार हर व्यक्ति को चीनी सस्ते दामों पर उपलब्ध करवाने का प्रयास करेगी ?

सरदार एच०एस० चट्ठा : चेयरमैन सर, यह प्रश्न मेरे विभाग से ताल्लुक नहीं रखता है। (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : चेयरमैन सर, मैं सीता राम जी की बात से सहमत हूं। इन्होंने बहुत ही चिन्ता की बात कही है। (विघ्न) चेयरमैन सर, अगर इनके भेता यहां होते तो अच्छा होता लेकिन वे तो सदन से चले गए हैं। (विघ्न) चेयरमैन सर, इनके राज में चीनी को मीठी करने के लिए ये क्या-क्या लिया करते थे, वह तो जग-जाहिर है। (विघ्न)

श्री सभापति : सीता राम जी, मंत्री जी आपके सवाल का जवाब दे रहे हैं, Let him conclude. (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : चेयरमैन सर, ये चाय लिया करते थे तो उसमें चीनी डलवाने के लिए क्या-क्या लिया करते थे, यह इनको भी मालूम है। आज लोगों ने इनको देना बंद कर दिया है इसलिए वही चाय आज इनको कड़वी लगती है। (विघ्न) चीनी तो पहले भी मीठी थी और आज भी मीठी है। (विघ्न)

श्री सभापति : सीता राम जी, आपने कोई सप्लीमैंटरी पूछनी है तो पूछें।

डॉ० सीता राम : चेयरमैन सर, मैं पिछले चार सालों से इस सरकार से कहा रहा हूं कि बिजली का ट्रांसफार्मर आसा खेड़ा में लगवा दें लेकिन आज तक भी नहीं लगवाया गया है। * * *

Mr. Chairperson : Nothing to be recorded.

डॉ० सीता राम : * * * * *।

Mr. Chairperson : Sita Ram Ji, you address the Chair.

श्री नरेश प्रधान : चेयरमैन सर, मैं नरेश प्रधान एम०एल०ए० सदन में शपथ लेकर कहता हूं कि * * * * * *। (विघ्न)

Mr. Chairperson : Nothing to be recorded. श्री नरेश जी, आपने कोई सप्लीमैंटरी पूछनी है तो वह पूछें। (विघ्न) Don't waste the time of the House. (विघ्न)

श्री बलवन्त सिंह : चेयरमैन सर, ये किस तरह की बात कर रहे हैं। (विघ्न)

श्री सभापति : बलवन्त सिंह जी, आप देखें कि आपके बोलने से पहले ही मैंने खुद उनकी बातों को रिकार्ड नहीं होने दिया। (विघ्न)

श्री नरेश प्रधान : * * * * *।

डॉ० सीता राम : चेयरमैन सर, आप इनको बिठाएं। हम ऐसे नहीं सुन सकते हैं। (विघ्न)

श्री सभापति : सीता राम जी, इन्होंने जो कुछ भी कहा है और कह रहे हैं वह कुछ भी रिकार्ड नहीं हो रहा है और न ही होने दिया है। (विघ्न) आप सभी बैठें कुछ भी रिकार्ड नहीं हो रहा है। (विघ्न)

Allocation of Land

***1257. Shri Iswar Singh Palaka :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to allocate Land for Motor Car Repair Market in Panchkula City, if so, the time by which the aforesaid land is likely to will be allocated ?

Reply

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala) : Sir, Panchkula already has a provision of Car repair shops and spare parts/repair shops in the Auto Market, Sector-20 as well as in the Industrial Area, Phase-II. There is no proposal at present to allocate any further land for Motor Car Repair Market in Panchkula City.

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

चेयरमैन साहब, मैं इसके साथ साथ माननीय सदस्य की जानकारी के लिए यह भी बताना चाहूंगा कि ऑटो मार्किट सैक्टर-20 पंचकुला में स्पेयर पार्टस जनरल शॉप्स 3.65x9.15 मीटर की हमने 13 क्रिएट कर दी हैं, कार रिपेयर शॉप्स 2.45x9.15 मीटर की 20 नई वहां हमने क्रिएट की है, स्कूटर रिपेयर शॉप्स 2.45x7.30 मीटर की 46 क्रिएट की हैं जिनमें से 18 अलौट हो गयी हैं। स्पेयर पार्टर्स शाप्स और कार रिपेयर शाप्स जो क्रमश: 13 और 20 थीं वह अभी अलौट होना बाकी हैं। इसी प्रकार से इंडस्ट्रियल एरिया फेज टूँ में स्पेयर पार्ट्स और रिपेयर शाप्स 4.15x14 मीटर साईज की हमने 34 क्रिएट की हैं जिनमें से चार अभी तक अलौट हो चुकी हैं। सर्विस इंड्रस्टीज शॉप्स 5.5x13.75 मीटर की 16 हमने क्रिएट की हैं जिनमें से 6 अलौट हो चुकी हैं, सर्विस स्टेशन शॉप्स 25x30 मीटर की हमने तीन क्रिएट की हैं लेकिन ये अभी अलौट होनी बाकी हैं।

श्री ईश्वर सिंह पलाका : चेयरमैन साहब, मंत्री जी ने बताया कि पंचकुला सैक्टर-20 में औद्योगिक क्षेत्र फेज नं० 2 में कार रिपेयर की और स्पेयर पार्ट्स की दुकानों का भी प्रावधान है लेकिन वहां पर तो मोटर साईकिल और स्कूटर रिपेयर के लिए ही दुकानें हैं। पहले हुडा के शोरूमों में कार रिपेयर की दुकानें थीं लेकिन हुडा वालों ने उनको बंद करवा दिया। पंचकुला में आज हर दूसरे तीसरे आदमी के पास कार है इसलिए इस तरफ ध्यान दिया जाना चाहिए। मंत्री जी को तो सरकारी गाड़ी मिली हुई है लेकिन मेरे पास तो पुरानी गाड़ी है। एक बार पंचकुला में मेरी गाड़ी खराब हो गयी थी, मुझे उसको ठीक करवाने के लिए बहुत दूर तक धक्के खाने पड़े थे इसीलिए मैंने यह क्वैश्चन लगाया था। पंचकुला में भी मोटर कार सर्विस स्टेशन होना चाहिए ताकि वहां के लोगों को यह सुविधा मिल सके।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : चेयरमैन साहब, मैंने इसलिए ही माननीय सदस्य की सप्लीमैंट्री का पहले जवाब दे दिया था लेकिन ये शायद सुन नहीं पाए थे। मैं इनको दोबारा से बता देता हूं। चेयरमैन साहब, आटो मार्किट सैक्टर-20 पंचकुला में स्पेयर पार्टस जनरल शॉप्स हमने 13 क्रिएट की हैं ये अभी अलौट होनी है। इनका साईज 3.65x9.15 मीटर का है। कार रिपेयर शॉप्स जिसके लिए ये कह रहे हैं कि वे नहीं हैं, वह हमने 2.45x9.15 मीटर की 20 नई क्रिएट की है, स्कूटर रिपेयर शॉप्स 2.45x7.30 मीटर की 46 क्रिएट की हैं जिनमें से 18 अलौट हुई हैं और बाकी अभी अलौट होनी हैं। चेयरमैन साहब, इन्होंने सुना नहीं था। मैंने तो इस बारे में पहले ही बता दिया था।

श्री ईश्वर सिंह पलाका : चेयरमैन साहब, मंत्री जी कह रहे हैं कि ये दुकानें अभी अलौट करनी हैं। मेरा इनसे कहना है कि ये इनको जल्दी अलौट करके लोगों को दें ताकि पंचकुला के लोगों को मोटर कार रिपेयर की सुविधा मिल जाए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : चेयरमैन साहब, मैं सदन को और माननीय सदस्य को आश्वस्त करना चाहूंगा कि जो हमारी अलौटमैंट पौलिसी और प्रोसीजर है उसके मुताबिक हम इनको जल्दी अलौट करेंगे। हमने यह शॉप्स अलौट करने के लिए ही बनायी हैं न कि दिखाने के लिए बनायी हैं।

श्री ईश्वर सिंह पलाका : क्या ये इस मामले में भी वैसा ही करेंगे जैसा ये बिजली के मामले में कह रहे हैं या असलियत में भी इनको अलौट करेंगे। * * *

* चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

श्री सभापति : इनकी यह बात रिकार्ड न की जाए। पलाका साहब, अगर आपके इस सवाल से ही जुड़ी हुई कोई बात हो तो वह आप पूछ सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान) बलवन्त सिंह जी, क्या आपकी कोई सप्लीमैंट्री है ?

श्री बलवन्त सिंह : नहीं जी,

श्री सभापति : ठीक है, अब अगला सवाल होगा।

तारांकित प्रश्न संख्या 1255

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री भरत सिंह सदन में उपस्थित नहीं थे।)

Construction of PWD Rest House at Ateli

***1245. Shri Naresh Yadav :** Will the PWD (B&R) Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to constuct the PWD Rest House at Ateli; and

(b) if so, the time by which the construction work of the said PWD Rest House is likely to be started?

Irrigation Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) :

(a) No, Sir

(b) Question does not arise.

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि आज के दिन अटेली में कोई भी रैस्ट हाउस नहीं है। वहां जो मार्किटिंग बोर्ड का रैस्ट हाउस था वह जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है और सैनिक बोर्ड का रैस्ट हाउस था वह भी खस्ता हालत में है।

श्री सभापति : नरेश जी, आप सीधे बातचीत न करें, चेयर को ऐड्रस कीजिए।

श्री नरेश यादव : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि अभी रिवाड़ी में भी एक और इरीगेशन डिपार्टमैंट का रैस्ट हाउस बन गया है, लेकिन नारनौल की तरफ कोई भी नया रैस्ट हाउस नहीं बनवाया गया है। मेरा निवेदन है कि मंत्री जी के पास इस समय पी.डब्लू.डी. विभाग भी है और इरीगेशन भी है इसलिए वहां किसी भी विभाग की तरफ से एक रैस्ट हाउस बन जाए तो आने जाने वाले लोगों को बहुत बड़ी सुविधा हो जाएगी। अटेली की मंडी एक बहुत ही बड़ी अनाज मंडी हो गई है इसलिए वहां भी एक रैस्ट हाउस बनना बहुत ही जरूरी है। वहां एक रैस्ट हाउस बनवाने का अवश्य कष्ट करें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि अटेली जो सब तहसील हैडक्वार्टर है वहां महेन्द्रगढ़ में पहले ही एक सैनिक रैस्ट हाउस और एक स्टेट ऐग्रीकल्चर मार्किटिंग बोर्ड का रैस्ट हाउस है लेकिन वहां वर्ष 2007-08 में ऑक्यूपैंसी मात्र 4.11 परसैंट रही और नारनौल में इसी दौरान कुल 16 परसैंट रही और यह ऑक्यूपैंसी वर्ष 2008-09 में महेन्द्रगढ़ में 9.86 परसैंट व नारनौल में 21.13 परसैंट रही। सभापति महोदय, इस प्रकार

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

से अटेली मंडी में ऑक्यूपैंसी बहुत ही कम है। यह बात ठीक है कि जो हमारा मार्किटिंग बोर्ड का रैस्ट हाउस, सैनिक बोर्ड का रैस्ट हाउस है उसकी हालत खराब है। उसके बारे में भवनमैंट से कहकर मार्किटिंग बोर्ड के रैस्ट हाउस की रैनोवेशन के लिए तो मैं विशेष तौर पर माननीय कृषि मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि वे उस रैस्ट हाउस को रेनोवेट करें। जो सैनिक रैस्ट हाउस है उसके बारे में भी हम टेकअप करेंगे कि वह रैनोवेट हो जाए। बी०एण्ड आर० के रैस्ट हाउस की रिक्वायरमैंट नहीं है। इस बारे में यदि ये पिछले 4-5 साल पहले या थोड़ा पहले बता देते तो हम बजट में प्रौविजन कर लेते। इस काम के लिए हमारे पास 3 करोड़ रुपये का बजट था और उसमें से जून, 2009 तक हम 2.57 करोड़ रुपये की राशि खर्च कर चुके हैं इसलिए हमें अब बजट प्रौविजन के बारे में देखना पड़ेगा। इन्होंने तो सिर्फ यहां क्वेशचन लगा दिया। इससे पहले इन्होंने इस बारे में कोई मुझसे बातचीत नहीं की या फिर मुख्यमंत्री जी जब इनके हल्के में गए थे तो भी ये मामला उठा देते तो हम सोच लेते। फिलहाल ऑक्यूपैंसी के हिसाब से मुझे लगता है कि इसकी रिक्वायरमैंट भी नहीं है।

श्री नरेश यादव : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि मंत्री जी को शायद ध्यान नहीं है मैंने पहले भी सदन में इस बारे में मांग की थी और मुख्यमंत्री जी जब मौके पर गए थे तब भी मैंने डिमांड की थी, तब भी ये मेरे डिमांड चार्टर में था।

श्री सभापति : आप सप्लीमैंट्री पूछिए।

श्री नरेश यादव : सभापति महोदय, मंत्री जी कह रहे हैं कि मार्किटिंग बोर्ड के रैस्ट हाउस की रिपेयर करा देंगे तो मैं बताना चाहूंगा कि वह तो कब का गिर चुका है उसकी तो बुरी हालत है वह तो बनाना ही पड़ेगा, अब नहीं तो आगे बना देंगे। मंत्री तो आप अगली बार भी बनेंगे ही।

श्री सभापति : मंत्री जी, आपने इस बारे में कुछ कहना है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : सभापति महोदय, मैंने पहले ही बता दिया है कि फिलहाल इसकी जरूरत नहीं है। आगे हम विचार करेंगे और बजट को देखते हुए देखेंगे।

श्री साहिदा खान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर नूंह में पी०डब्लू०डी० रैस्ट हाउस में 2 रूम हैं। आज तक चार साढ़े चार साल का समय बीत चुका है तब से डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर नूंह में एक ईंट भी नहीं लगी। वहां कम से कम 8 से 10 कमरे और बनने चाहिएं। वहां कोई जज आता है तो वह उसमें महीने-महीने के लिए बैठ जाता है और इस दौरान कोई एम०एल०ए० या मंत्री जाता है तो उसके बैठने के लिए जगह ही नहीं होती है।

Mr. Chairperson : No obstructions please. Let him conclude.

श्री साहिदा खान : सभापति महोदय, मैं जानना चाहता हूं कि क्या उस रैस्ट हाउस में और बढ़ोत्तरी करने का विचार है, क्या कोई प्रपोजल है। तावडू में इरीगेशन का जो कैनाल रैस्ट हाउस है उसमें आज तक कोई ऐन्ट्री ही नहीं हुई और इस वजह से लाइट का कनैक्शन भी कट गया है। उसमें कोई चला जाए तो ठहराने की कोई व्यवस्था ही नहीं है।

श्री सभापति : आप क्या जानना चाहते हैं ?

श्री साहिदा खान : सभापति महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि जो नूंह में पी०डब्लू०डी० रैस्ट हाउस है उसको और बढ़ाने की कोई उम्मीद है और क्या तावडू रैस्ट हाउस में लाइट का कनैक्शन जोड़ा जाएगा ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : सभापति महोदय, यह बात शायद इनकी जानकारी में नहीं है कि नूंह में एक सर्किट हाउस बनाया जा रहा है जिसमें 11 कमरे होंगें। इस सर्किट हाउस को बाकायदा अच्छे तरीके से बनाएंगें। जहां तक तावडू के रैस्ट हाउस का इन्होंने जिक्र किया है, मैं इनको बताना चाहूंगा कि तावडू के रैस्ट हाउस को रैनोवेट करने के आदेश हमने दे रखे हैं। वहां आक्यूपैंसी भी नहीं है और यह रैस्ट हाउस हमेशा खाली रहता है। जहां तक इन्होंने इस रैस्ट हाउस के बिजली के कनैक्शन की बात कही है कि वहां बिजली का कनैक्शन भी काट रखा है तो मुझे नहीं लगता कि वहां पर बिजली का कनैक्शन काट रखा होगा। फिर भी अगर वहां बिजली का कनैक्शन काट रखा होगा तो हम इसको दिखवा लेंगें।(विघ्न)

श्री सभापति : शाहिदा खान जी, आप वहां जाकर देख लें और अगर आपको वहां पता चलता है कि बिजली का कनैक्शन काट रखा है तो आप मंत्री जी को लैटर लिख कर पता करवा लें।

श्री शाहिदा खान : सभापति जी, मैंने वहां एक बार नहीं बल्कि बीसों बार जाकर देख लिया है। वहां लाइट है ही नहीं। (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : सभापति महोदय ये साढ़े 4 साल से मैम्बर हैं इन्होंने आज ही यह बात कही है और आज से पहले इन्होंने यह बात कभी नहीं उठाई और न ही इन्होंने पर्सनली मुझे मिलकर यह बात बताई है। (विघ्न)

श्री सभापति : मंत्री जी, इन्होंने आज ही यह बात उठाई है फिर भी आप इनको इस बारे में एश्योर करें और आप डिपार्टमैंट से लैटर लिखवाकर इनको भिजवाएं कि इस रैस्ट हाउस की प्रैजेंट पोजीशन क्या है ? (विघ्न) शाहिदा खान जी, आपको मंत्री जी की तरफ से जवाब आ जाएगा।

कैप्टन अजय सिंह यादव : सभापति जी, अगर वहां बिजली का कनैक्शन काट रखा है तो हम इसको दिखवा लेंगें और ठीक करवा देंगें और डिपार्टमैंट की तरफ से इनको जवाब भी भिजवा देंगें। (विघ्न)

श्री उदयभान : सभापति महोदय, होडल में पी०डब्ल्यू०डी० का रैस्ट हाउस अंग्रेजों के जमाने का है और बहुत पुराना हो चुका है और 3 साल पहले उसको कंडम घोषित कर दिया गया था। पी०डब्ल्यू०डी० की सब चीजें वहां पर हैं लेकिन बिल्डिंग की हालत ठीक न होने के कारण कोई अधिकारी यहां आता है तो उसके ठहरने के लिए यहां जगह नहीं होती है और उसको ठहरने के लिए दूसरी जगह जाना पड़ता है। इसकी बिल्डिंग को 3 साल पहले कंडम घोषित कर दिया गया था। इसकी बिल्डिंग के बारे में कहा जा रहा है कि इसको जल्दी बना देंगें। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इसकी बिल्डिंग को नए सिरे से बनाने में कितना समय लगेगा ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : सभापति महोदय, जहां तक इन्होंने होडल के रैस्ट हाउस की बात कही है कि उसकी हालत खराब है तो मैं इनको बताना चाहूंगा कि हम इसको ठीक करवा देंगें और मैं फ्लोर ऑफ दि हाउस आश्वासन देता हूं कि इसको रैनोवेट कर देंगें। जहां तक इसकी बिल्डिंग को नए सिरे से बनाने की बात है, इस बारे में ये अलग से नोटिस दे दें, मैं डिटेल में जवाब दे दूंगा क्योंकि इस समय मेरे पास सारे आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

श्री ईश्वर सिंह पलाका : सभापति महोदय, रादौर में इरीगेशन का एक रैस्ट हाउस है और मेरी जानकारी के अनुसार वह वर्ष 1905 का बना हुआ है और बहुत पुराना हो गया है। मेरे ख्याल से उसकी बिल्डिंग भी कंडम घोषित की हुई है। मंत्री जी, आप अधिकारियों से भी पता कर लें कि क्या उस रैस्ट हाउस की रिपेयर के बारे में कुछ किया गया है या रादौर में नया रैस्ट हाउस बनाने की सरकार की कोई प्रपोजल है ? सभापति महोदय, वहां पश्चिमी नहर चलती है जिसका पुल 1905 का बना हुआ है और यह पुल बहुत पुराना हो चुका है। छोटा पुल होने के कारण दोनों साइड ट्रैफिक ज्यादा रहता है। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि उस पुल को बनाने की भी सरकार की कोई प्रपोजल है या नहीं ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : सभापति महोदय, यह प्रश्न पी०डब्ल्यू०डी० (बी० एण्ड आर०) का है और माननीय सदस्य इरीगेशन का प्रश्न पूछ रहे हैं। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हमने रैस्ट हाउस बेचे नहीं हैं। इनके समय में तो 60 रैस्ट हाउस बेच दिए दिए गए थे और ऑक्शन कर दिए गए थे। हमने मौजूदा रैस्ट हाउसिज को रैनोवेट किया है और जिस रैस्ट हाउस की ये बात कर रहे हैं हम इसको भी रैनोवेट करवा देंगें।(विघ्न)

श्री सभापति : मंत्री जी, जिस रैस्ट हाउस का ये जिक्र कर रहे हैं उस बारे में आपका क्या कहना है। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादव : सभापति महोदय, यह प्रश्न तो पी०डब्ल्यू०डी० (बी० एण्ड आर०) से सम्बन्धित है जबकि ये प्रश्न इरीगेशन विभाग का पूछ रहे हैं इसलिए ये सैपरेट नोटिस दे दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री सभापति : पलाका जी, यह प्रश्न पी०डब्ल्यू०डी० (बी० एण्ड आर०) का है इसलिए आप इस डिपार्टमैंट से सम्बन्धित अपनी सप्लीमैंट्री पूछो। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादव : चेयरमैन सर, माननीय साथी मेरे को लिखकर भिजवा दें हम इसको एग्जामिन करवा लेंगे और इसमें कोई कमी होगी तो ठीक करवा दी जायेगी।

श्री ईश्वर सिंह पलाका : सभापति महोदय, मंत्री जी कह रहे हैं कि पी०डब्ल्यू०डी० का रैस्ट हाउस है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि वह रैस्ट हाउस नहर महकमे का है। रादौर में पी०डब्ल्यू०डी० का रैस्ट हाउस नहीं है। जहां तक ये लिखकर देने की बात कर रहे हैं जब सदन में बात चल रही है तो लिखकर देने का क्या औचित्य है। यदि मंत्री जी चाहते हैं तो हम लिखकर भी दे देंगे लेकिन उस पर कोई कार्यवाही नहीं होगी।

श्री सभापति : अब अगला सवाल होगा।

श्री फूल चंद मुलाना : सभापति महोदय, अगला जो तारांकित प्रश्न 1248 है वह आपके नाम से है और आप इस समय चेयर पर आसीन हैं यदि आपकी सहमति हो तो क्या मैं यह सवाल पुट कर सकता हूं।

श्री सभापति : ठीक है।

Vehicles Provided to S.M.Os & Deputy Civil Surgeons

@* **1248. Shri Karan Singh Dalal :** Will the Health Minister be peased to state—

(a) the number of jeeps/vehicles being provided in Health Deptt. for the use of SMO's and Deputy Civil Surgeons in the State;

(b) the number of jeeps/vehicles condemned out of those as stated in para (a) during the last five years; and

(c) the number of new jeeps/vehicles purchased/replaced in place of condemned vehicles during the last five years.

Power Miniser (Sh. Randeep Singh Surjewala) : Sir.

(a) 302 vehicles have been provided for the use of SMO's and Deputy Civil Surgeons in the State

(b) 82 out of 302 vehicles have been condemned during the last 5 years.

(c) 24 new vehicles have been purchased as replacements during the last five years.

सभापति महोदय, इसके साथ ही मैं आपकी अनुमति से सदन को और माननीय सदस्य जी को यह भी बताना चाहूंगा कि हरियाणा देश में पहला प्रांत है जहां पर क्रीकल ट्रांसपोर्ट सर्विस रैडक्रॉस सोसायटीज के माध्यम से शुरू की गई है। यह सुविधा खासतौर पर ग्रामीण इलाकों के लिए है। इस सुविधा के लिए 300 गाड़ियां उपलब्ध करवाई जायेंगी। यदि किसी गांव में मैडीकल इमरजैंसी है तो जरूरतमंद परिवार 102 नम्बर डायल करे उसे घर पर टाईमली गाड़ी उपलब्ध हो जायेगी। इन सभी गाड़ियों में जी०पी०एस० सिस्टम लगा होगा ताकि सभी गाड़ियों की लोकेशन की जांच कर सकें। झज्जर जिले में यह सुविधा चालू हो गई है और बाकी जिलों में भी डी०सीज० के माध्यम से यह सुविधा जल्दी ही शुरू की जायेगी। यह सुविधा बी०पी०एल० कार्ड धारक परिवारों को, प्रैगनेंट महिलाओं को और एक्सीडैंट विक्टिम्ज को निशुल्क उपलब्ध करवाई जायेगी। इस प्रकार की मुख्यमंत्री जी की हिदायतें हैं। रिमोट से रिमोट गांव से 102 नम्बर डायल करने पर जरूरतमंद के द्वार पर गाड़ी पहुंचेगी और अस्पताल तक लेकर जायेगी। इन तीन कैटेगरिज से कोई पैसा नहीं लिया जायेगा और बाकियों से मिनीमम चार्जिज लिये जायेंगे।

श्री फूल चंद मुलाना : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या मंत्री जी के ध्यान में यह बात है कि कोई भी एस०एम०ओ० अपनी पोस्टिंग के स्टेशन पर नहीं रहता है। यदि कोई एस०एम०ओ० अपनी पोस्टिंग के स्टेशन पर रहता है तो उसके बारे में मंत्री जी मुझे जानकारी दें। यदि कोई एस०एम०ओ० अपने पोस्टिंग के स्टेशन पर नहीं रहता है तो उसके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है इस बारे में भी बताया जाये क्योंकि जो व्हिकल हम एस०एम०ओज० को देते हैं वे इसलिए दिए जाते हैं कि वे उनका यूज अपने घर तक आने जाने के लिए करें।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : सभापति महोदय, यह ठीक है कि कुछ जगहों पर डाक्टर्ज अपनी पोस्टिंग के स्टेशन पर नहीं रहते होंगे। यदि इस बारे में माननीय साथी की कोई स्पेसिफिक जानकारी

@ Put by Shri Phool Chand Mulana.

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

है तो उसके बारे में ये हमें बता दें हम उस पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करेंगे। इसके अतिरिक्त मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि आज के दिन अच्छी स्वास्थ्य सेवायें देने के लिए हर विषय के डाक्टर्ज की आवश्यकता है। गायनोक्लोजिस्ट विषय के डाक्टर्ज की भी जरूरत है, पीडियाट्रीशियन के विषय के डाक्टर्ज की भी जरूरत है और दूसरे विषय के डाक्टर्ज की भी जरूरत है। हमारे मुख्यमंत्री जी ने कन्टीन्यूवस डाक्टर्ज की रिक्रूटमैंट करने के लिए डाक्टर्ज की भर्ती को पब्लिक सर्विस कमीशन के दायरे से बाहर निकाला है। आज के दिन हर महीने की दस तारीख को स्पेशलिस्ट डाक्टर्ज की भर्तियां हर जिले में की जा रही हैं। इस बारे में सभी माननीय सदस्य परिचित हैं। आज के दिन पहले के मुकाबले हरियाणा में बहुत से डाक्टर्ज की भर्ती की गई है। इस बात को सभी माननीय सदस्य अपने-अपने हल्कों के अस्पतालों से वैरीफाई कर सकते हैं। इस प्रोग्राम को वर्ल्ड हैल्थ आर्गेनाईजेशन स्टडी कर रहा है। इसमें किसी प्रकार की कोई सिफारिश नहीं चलती और अच्छे तथा एक्सपीरियंस्ड डाक्टर्ज की भर्तियां मैरिट के आधार पर की जा रही हैं। इसके अलावा मैं आपके माध्यम से एक और जानकारी पूरे सदन को देना चाहता हूं कि हरियाणा पूरे भारत देश में पहला ऐसा प्रान्त है जहां ओ.पी.डी. पर आने वाले सभी पेशैंट्स को बिना इकोनॉमिक स्टेट्स देखते हुए 100 प्रतिशत फ्री मैडीसिंज़ दी जाती हैं। सभापति महोदय, अगर आंकड़े कोई मायने रखते हैं तो पूरे सदन को यह बताना चाहूंगा कि सबसे नज़दीक शहर पंचकूला है और पिछले तीन महीनों में पंचकूला के सरकारी अस्पताल में 1 लाख 20 हज़ार ओ०पी०डी० पेशैंट्स इस सुविधा का लाभ उठा चुके हैं। यह मैंने वैरीफाई करवाया है और मैं बड़ी जिम्मेदारी से यह बात कह रहा हूं। सरकार के इस निर्णय से हमारे यहां ओ०पी०डी० में आने वाले पेशैंट्स की संख्या बढ़ी है। इसके अलावा हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार बी०पी०एल० और नोटिफाईड अर्बन स्लम एरियाज़ में रहने वाले लोग हरियाणा के सरकारी अस्पतालों में अपना राशन कार्ड और वोटर आई० कार्ड दिखाकर इम्पलांटेशन और सर्जरी दोनों फ्री ऑफ कॉस्ट करवा सकते हैं। इस मामले में भी हरियाणा को पूरे देश में पहला प्रांत होने का गौरव हासिल है। हरियाणा सरकार ने यह स्कीम 01 जुलाई, 2009 से लागू की थी और 29 जुलाई, 2009 तक 28 दिनों में 40 हज़ार लोग इस योजना का लाभ उठा चुके हैं। इस प्रकार से हरियाणा सरकार यू०पी०ए० की चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी के मार्गदर्शन में केन्द्र सरकार द्वारा जो सपना देखा गया है कि गरीब, आम और साधारण आदमी तक सरकारी तौर पर स्वास्थ्य सेवाओं का पूर्ण लाभ पहुंचाया जाये उसे साकार करने के लिए प्रयासरत है। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन की जानकारी के लिए यह बताना चाहता हूं कि गरीब, आम और साधारण आदमी के कल्याण की दिशा में ऐसे दूरगामी और क्रांतिकारी निर्णय लेने वाला हरियाणा प्रदेश पूरे भारत देश में अकेला प्रान्त है।

श्री फूल चन्द मुलाना : सभापति महोदय, मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूं कि हरियाणा सरकार स्वास्थ्य के मामले में बहुत अच्छे कदम उठा रही है। प्रदेश में दवाईयां फ्री दी जा रही हैं और सर्जरी भी फ्री ऑफ कास्ट होने लग रही हैं। डॉक्टर्ज की पोस्टिंग भी बहुत ज्यादा है, बहुत से नये डॉक्टर्ज की नियुक्ति भी सरकार द्वारा की जा चुकी है और की जा रही है। मेरा प्वांयट यह है कि देहातों में जो पी०एच०सीज़० हैं क्या वहां के लिए मंत्री जी यह इंश्योर करेंगे कि वहां पर रात के समय भी ज़रूरत होने पर डॉक्टर्ज उपलब्ध हों।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : सभापति महोदय, जैसा कि माननीय सदस्य को मैंने शुरू में ही बताया था कि हरियाणा सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जो रैफरल ट्रांसपोर्ट सर्विसिज़ शुरू की गई हैं उनका लक्ष्य यह है कि एक्सीजैंसी और एमरजैंसी की हालत में 24x7 मैडीकल सर्विसिज़ उपलब्ध होंगी। इसके लिए हमने डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर कंट्रोल रूम बनाया है जिसमें यह निश्चित किया गया है कि रात के समय ज़रूरत पड़ने पर गांव में अगर डॉक्टर उपलब्ध नहीं है तो 102 नम्बर डॉयल करने पर सरकारी खर्चे पर मरीज़ के पास गाड़ी आयेगी और उसे उसकी जरूरत के मुताबिक अस्पताल या डॉक्टर के पास लेकर जायेगी। सभापति महोदय, इसके अलावा मैं एक बात माननीय सदस्य को और बताना चाहूंगा जो कि बड़े हर्ष की बात है जैसा कि सभी जानते हैं कि माननीय मुख्यमंत्री ने हरियाणा में एम्स-II शुरू करवाया है जिसके टैण्डर हो चुके हैं और जिसका काम जल्दी ही शुरू हो जायेगा। इस सम्बन्ध में भारत सरकार ने अब यह निर्णय लिया है कि हरियाणा में एम्स के साथ-साथ नैशनल इंस्टीच्युट ऑफ एजिंग भी एम्स के कॉम्पलैक्स के अन्दर झज्जर में ही बनाया जायेगा जो कि विशेष तौर पर बुर्जुगों के लिए होगा। यह श्री चौटाला जी के मतलब की बात थी लेकिन वे सदन में मौजूद नहीं है, मैं ऐसी उम्मीद कर सकता हूं कि अगर वे यहां पर होते तो इस बात को जरूर एप्रिशिएट करते।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जो एस०एम०ओज० और डी०एस०एम०ओज० को गांवों में जाकर मरीज़ों के ईलाज के लिए सरकार द्वारा जो जीप उपलब्ध करवाई गई है क्या वह सबको उपलब्ध करवाई गई है या किसी कैटेगरी विशेष के एस०एम०ओज० और डी०एस०एम०ओज० को ही उपलब्ध करवाई गई है। मैं माननीय मंत्री महोदय के ध्यान में यह बात लाना चाहूंगा कि हांसी के अस्पताल में अभी तक कोई जीप उपलब्ध नहीं करवाई गई है। क्या माननीय मंत्री जी हांसी के अस्पताल में जीप उपलब्ध करवाने का कष्ट करेंगे ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न पूछा है वह वाजिब है। सभापति महोदय, हरियाणा के अन्दर एस०एम०ओज० को तीन कैटेगरीज़ में विभाजित किया हुआ है। पहले तो वे हैं जो डिस्ट्रिक्ट और सब-डिवीज़नल लैवल के हास्पिटल पर क्लीनिकल काम करते हैं। इनको कोई गाड़ी प्रदान करने की आवश्यकता नहीं है इसलिए इन इनको गाड़ी की सुविधा नहीं देते। दूसरी कैटेगरी में वे एस०एम०ओज० आते हैं जो कम्युनिटी हैल्थ सैंटर के इंचार्ज हैं। इन एस०एम०ओज० को कोई ईयरमार्क्ड व्हीकल हम नहीं देते लेकिन हैल्थ प्रोग्राम्ज़ की सुपरविज़न और मॉनीटरिंग के लिए हम इनको एक गाड़ी प्रोवाईड करते हैं। तीसरी कैटेगरी में वे एस०एम०ओज० आते हैं जो डिप्टी सिविल सर्जन डेजीग्नेट किये गये हैं। सभापति महोदय, उनके लिए हमने गाड़ियों का एक शेयर्ड पूल बना रखा है और उसमें से वे अपनी जरूरत के मुताबिक गाड़ी ले लेते हैं। इस प्रकार से उनको गाड़ियां उपलब्ध करवाई जाती हैं परन्तु एस०एम०ओज० विशेष के लिए अलग से राज्य सरकार द्वारा कोई गाड़ी चिन्हित नहीं की गई है।

प्रो० छतर पाल सिंह : सभापति महोदय, यह बात सबको मालूम है कि जबसे हरियाणा में चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनी है तब से हैल्थ विभाग के विकास के लिए रिवोल्यूशनरी स्कीम्स बनी हैं वर्ना पहले तो सरकारी हॉस्पीटल की कोई सुध नहीं लेता था।

Mr. Chairperson : Ask your supplementary please.

प्रो० छतर पाल सिंह : सभापति महोदय, डिवैल्पमैंट से संबंधित इस हाउस में कुछ सुपर स्पेशलिटीज हॉस्पीटल्ज खोलने का फैसला लिया गया था जिनमें हिसार भी एक है। मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि उन सुपर स्पेशलिटीज हॉस्पीटल्ज को कब तक पूरा करने का टारगेट है और क्या उन हॉस्पीटल्ज में हैल्थ से संबंधित हर विभाग के एम०डी० नियुक्त करने का प्रावधान रखा गया है ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : सभापति महोदय, यह पृथक प्रश्न है और माननीय साथी लिख कर दे दें हम उसका उत्तर लिख कर दे देंगे।

श्री रामफल चिड़ाना : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूँ कि जब कभी भी रात के समय में एम्बूलैंस की जरूरत पड़ती है तो उसका ड्राईवर उपलब्ध नहीं होता है। अगर ड्राईवर ही उपलब्ध नहीं होगा तो एम्बूलैंस का क्या फायदा होगा ? क्या मंत्री जी इसकी कोई व्यवस्था करवायेंगे कि एम्बूलैंस के साथ ड्राईवर भी उपलब्ध हो ताकि उसी समय मरीज को सहायता उपलब्ध हो सके ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : सभापति महोदय, मैं माननीय सदस्य की चिन्ता से स्वयं को भी जोड़ता हूँ और इनकी चिन्ता वाजिब है। अगर माननीय साथी हमारे नोटिस में कोई इस तरह का केस लेकर आयेंगे तो मैं माननीय सदस्य को आश्वस्त करना चाहूँगा कि हम संबंधित ड्राईवर के खिलाफ अवश्य ही कार्यवाही करेंगे। इसके साथ-साथ मैं यह भी बताना चाहूँगा कि 187 एम्बूलैंस हमने विभिन्न जिलों में दे रखी हैं। इसके अलावा मैंने जो रैफ्रल सर्विस की बात की है उसके माध्यम से भी 300 गाड़ियाँ उपलब्ध हो जायेंगी। उसके बाद किसी भी गाँव से 102 नम्बर डायल कीजिए और जैसा मैंने कहा कि 3 ऐसी कैटैगरीज हैं जिनको बिना कोई चार्ज लिए आपको एम्बूलैंस उपलब्ध करवा दी जाएंगी और बाकी कैटैगरीज में नोमिनल चार्जिज पर गाड़ी उपलब्ध हो जायेगी।

श्री रामफल चिड़ाना : सभापति महोदय, मैं गोहाना में रात को किसी के साथ हॉस्पीटल में गया था और वहाँ पर ऐसी घटना हुई है। मैं किसी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं करवाना चाहता। मैं तो मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या इन्होंने कोई ऐसा प्रावधान किया है कि एम्बूलैंस के साथ ही ड्राईवर भी समय पर उपलब्ध रहे ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : सभापति महोदय, माननीय सदस्य लिख कर भिजवा दें हम कार्रवाई करवायेंगे।

श्री सभापति : चिड़ाना जी, आप मंत्री जी को लिख कर भेज दें वे जवाब भी दे देंगे और एक्शन भी लेंगे। क्यों जी Hon'ble Minister Saheb, am I correct?

Shri Randeep Singh Surjewala : Absolutely correct, Chairman Sir.

श्री आनन्द सिंह दांगी : सभापति महोदय, गाँवों में हर पी०एच०सीज० में 4-4 डॉक्टर होते हैं। फिजीशियन होता है, डैंटिस्ट होता है, मैडिसिन का होता है लेकिन रात के समय एक भी डॉक्टर ड्यूटी पर नहीं रहता है। खाली मोबाइल डायल करने से कोई फायदा नहीं है। जब तक मोबाइल डायल करो तब तक पेशैंट कोलैप्स हो जाता है। क्या मंत्री जी यह सुनिश्चित करेंगे कि पी०एच०सीज० में कम से कम एक डॉक्टर 24 घंटे उपलब्ध रहेगा।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : सभापति महोदय, मैंने माननीय सदस्य का सुझाव नोट कर लिया है और हम उस पर विचार करेंगे।

Reconstruction of Road

*** 1251. Dr. Sita Ram :** Will the P.W.D. (B&R) Minister is pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to reconstruct or upgrade the Debwali to Hanumangarh road in view of the heavy rush of traffic?

Irrigation Minister (Captain Ajay Singh Yadav) : Yes, Sir. In the first phase, a proposal to widen 18.52 kms. of this road from existing width of 7 m to 10 m at a cost of Rs. 36.15 crores has already been posed to Ministry of Road, Transport & Highways for sanctioning the same under Central Road Fund Scheme.

डॉ० सीता राम : सभापति महोदय, मैं मंत्री जी से हर विधान सभा सत्र में यही सवाल पूछता हूँ और आज तक सवा चार साल में कभी भी कोई सैटिसफैक्ट्री जवाब मंत्री जी की तरफ से नहीं मिला है। काम होना तो दूर की बात है जवाब भी सैटिसफैक्ट्री नहीं मिलता।

Mr. Chairperson: Ask your supplementary?

डॉ० सीता राम : सर, हर बार मेरा क्वैश्चन रिपीट होता है। मंत्री जी कहते हैं कि हम सर्वे करवायेंगे। आज भी मंत्री जी ने कोई ठोस जवाब नहीं दिया है और मैं उनके जवाब से बिल्कुल भी सैटिसफाई नहीं हूँ। सर, डबवाली से हनुमानगढ़ तक जाने वाली सड़क बहुत ही महत्वपूर्ण है और उस पर बहुत भारी ट्रैफिक चलता है। मैं पूछना चाहता हूँ कि सवा चार साल में क्या अभी तक वह सर्वे पूरा नहीं हुआ है ? मंत्री जी, कब तक उसको पूरा करवायेंगे ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : चेयरमैन सर, मैंने बड़े स्पष्ट रूप से कहा है कि इसकी टोटल लैंग्थ 31.52 किलोमीटर है और फर्स्ट फेज़ में हमने 18.52 किलोमीटर सैंटर रोड ऑफ फण्डज़ की है उसको हमने पोज कर दिया है और हमें इसकी अप्रूवल आने वाली है। जैसे ही हमें सैंटर गवर्नमैंट से पैसा मिलेगा हम तुरन्त इस काम को शुरू कर देंगे। चेयरमैन सर, मैं इनको इससे ज्यादा और क्या आश्वासन दे सकता हूं। दूसरी बात यह है कि ये कहते हैं कि इनका काम नहीं हुआ है अभी इनके यहां इसी रोड पर 2.15 किलोमीटर जो रोड है डबवाली की हमने वर्ष 2007 में फोरलेनिंग की है (विघ्न) हमने अढ़ाई करोड़ रुपये 2.15 किलोमीटर इनके डबवाली टाउन के अन्दर फोरलेनिंग के लिए खर्च किये हैं। चेयरमैन सर, दूसरी बात यह है कि 2.15 से 13 किलोमीटर तक है उसका 7 मीटर जो वाईड है जैसे मैंने बताया है उसकी इम्प्रूवमैंट के बारे में भी हम कार्यवाही कर रहे हैं। सी०आर००एफ० के तहत हमने केस भेज दिया है। इनके हल्के में तकरीबन 17 करोड़ रुपये हमने खर्च किये हैं। (विघ्न) चेयरमैन सर, ये कह रहे हैं कि काम नहीं हुआ है इसलिए मैं इनकी तसल्ली के लिए इनको बताना चाहता हूं कि हमने इसको सी०आर०एफ० के अण्डर ले लिया है। ये नैशनल हाईवे है और नैशनल हाईवे अथोरिटी को हमने पोज कर दिया है। चेयरमैन सर, मैं इनको आश्वासन देता हूं कि हमें जैसे ही इसकी अप्रूवल मिलेगी हम तुरन्त इसका काम कर देंगे। जहां तक काम करने का सवाल है, इनकी गवर्नमैंट के समय में नैशनल हाईवे अथोरिटी में एक पैसे का काम नहीं हुआ था, एक नये पैसे का काम नहीं हुआ था। (विघ्न)

वाक आउट

डॉ० सीता राम : चेयरमैन सर, मन्त्री जी ने जो जवाब दिया है मैं बिल्कुल उससे सन्तुष्ट नहीं हूं। यह बिल्कुल गलत आश्वासन है। मैं इनके जवाब से सन्तुष्ट नहीं हूं इसलिए मैं एज ए प्रौटैस्ट सदन से वाक आउट करता हूँ।

(इस समय माननीय सदस्य डॉ० सीता राम जी सदन से वाक आउट कर गए)

Mr. Chairperson : Now, question hour is over. (Interruption) Please take your seats.

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Opening of I.T.I.

*** 1258. Sh. Ishwar Singh :** Will the Industrial Training & Vocational Education Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open a new I.T.I. in Radaur constituency; if, so, the time by which the aforesaid I.T.I. is likely to be opened?

शहरी एवं तकनीकी मंत्री (श्री ए०सी० चौधरी) : नहीं, श्रीमान जी, रादौर विधानसभा क्षेत्र में आई०टी०आई० खोलने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

Construction of Secretariat and Stadium

***1256. Shri Bharat Singh Chhoker :** Will the PWD(B&R) Minister be pleased to state the time by which the Secretariat and Stadium will be constructed at Samalkha according to the announcement of the Hon'ble Chief Minister?

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : श्रीमान जी, समालखा में लघु सचिवालय हेतु राजस्व विभाग द्वारा स्थानीय नगरपालिका से भूमि ली जा रही है। भूमि लेने के पश्चात् ही लोक निर्माण विभाग (भवन तथा सड़कें) द्वारा कार्य आरम्भ किया जाएगा। जहां तक स्टेडियम का सम्बन्ध है, खेल विभाग ने स्टेडियम के लिए 7 एकड़ भूमि ले ली है और इस विषय में आगे की कार्यवाही खेल विभाग द्वारा की जा रही है।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Receipt of Market Fee

157. Shri Karan Singh Dalal : Will the Agriculture Minister be pleased to state the yearwise receipts of Market fee and cess levied on vegetables and fruits in the State since 2004-05 till date alongwith the rates at which these are charged?

कृषि मंत्री (सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा) : श्रीमान जी, वर्ष 2004-05 से आज तक राज्य में सब्जी व फलों पर कुल मार्केट फीस तथा उपकर दरों सहित निम्न प्रकार हैं :-

क्र०स०	वर्ष	मार्केट फीस (रू० लाखों में)	दरें	
			उपकर/ एच०आर०डी०एफ०	मार्केट फीस
1	2004-05	898.41	2%	2%
2	2005-06	1199.07	2%	2%
3	2006-07	1436.02	2%	2%
4	2007-08	1749.04	2%	2%
5	2008-09	1964.60	2%	2%
6	2009-10 मई 2009 तक	355.58	2%	2%

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Construction of Road

155. Sh. Ishwar Singh Palaka : Will the PWD (B&R) Minister be pleased to state wheter there is any proposal under consideration of the Government to construct a road from Palaka to Mansurpur; if so, the time by which the work is likely to be started thereon?

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : नहीं, श्रीमान जी, विभाग द्वारा पलाका से मनसूरपुर सड़क का निर्माण नहीं किया जा रहा है, क्योंकि इसके लिए भूमि अधिग्रहण तथा रक्षी नाले पर लगभग 2.00 करोड़ रुपये की लागत से एक पुल के निर्माण की भी आवश्यकता है।

Production of Cotton

156. Shri Karan Singh Dalal : Will the Agriculture Minister be pleased to state the yearwise production of cotton (American and Desi) in the State since 2004-05 till date togetherwith the yearwise receipt of market fee and cess levied on cotton in the State during this period alongwith the rates at which market fee & cess are charged?

कृषि मंत्री (सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा) : श्रीमान जी, विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

विवरण

राज्य में वर्ष 2004-05 से अब तक वर्षवार अमेरिकन तथा देसी कपास का उत्पादन, राज्य में वर्षवार मार्केट फीस व उपकर की प्राप्ति तथा वसूल की गई मार्केट फीस व उपकर की दरों सहित

[सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा]

निम्न प्रकार है:-

उत्पादन '000' गांठों में

वर्ष	अमेरिकन कपास	देसी कपास	योग
2004-05	1657	418	2075
2005-06	1267	235	1502
2006-07	1544	261	1805
2007-08	1697	188	1885
2008-09	1753	105	1858

कपास की आवक पर मार्केट फीस (रुपये करोड़ों में)

वर्ष	अमेरिकन कपास मार्केट फीस	देसी कपास मार्केट फीस	कुल मार्केट फीस	मार्केट फीस की दर	उपकर/ हरियाणा ग्रामीण विकास फन्ड
2004-05	12.31	1.21	13.52	2%	2%
2005-06	15.94	1.23	17.17	2%	2%
2006-07	17.63	0.96	18.59	2%	2%
2007-08	22.31	0.72	23.03	2%	2%
2008-09	20.32	0.33	20.65	2%	2%

कपास पर कोई उपकर की वसूली नहीं की जाती है, तथापि हरियाणा कृषि विपणन मण्डल के माध्यम से हरियाणा ग्रामीण विकास निधि के लिए कपास की आवक के मूल्य पर 2 प्रतिशत की दर से हरियाणा ग्रामीण विकास निधि वसूली जाती है।

घोषणा

(क) चेयरपर्सन द्वारा

(i) चेयरपर्सन्ज़ के नामों की सूची

Mr. Chairperson : Hon'ble Members, under Rule 13(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, the Hon'ble Speaker has nominated the following Members to serve on the panel of Chairpersons:-

1. Shri Karan Singh Dalal, MLA
2. Shri Shadi Lal Batra, MLA

3. Shri Sher Singh, MLA

4. Dr. Sita Ram, MLA

(ii) सदस्यों के त्यागपत्र

Mr. Chairperson: Hon'ble Members under Rule 58(2) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I have to inform the House that—

(i) Shri Ram Kumar Gautam has resigned his seat in the Haryana Legislative Assembly vide his letter dated 22nd April, 2009 which was accepted by the Hon'ble Speaker from the said date.

(ii) Sarvshri Bhajan Lal and Jitender Singh Malik have resigned their seats in the Haryana Legislative Assembly vide their letters dated 22nd May, 2009, which were accepted by the Hon'ble Speaker from the said date.

(iii) Dr. Sushil Indora has resigned his seat in the Haryana Legislative Assembly vide his letter dated 17th July, 2009, which was accepted by the Hon'ble Speaker from the said date.

(iii) अनुपस्थिति के संबंध में सूचना

Mr. Chairperson : Hon'ble Members, I am to inform the House that the Hon'ble Speaker has received a fax message from Shri Chander Mohan, MLA dated 22nd July, 2009 expressing his inability to attend the Vidhan Sabha Session starting from 31st July, 2009 as he has undergone a major surgery.

(ख) सचिव द्वारा

Mr. Chairperson : Hon'ble Members, now the Secretary will make an announcement.

सचिव : महोदय, मैं उन विधेयकों को दर्शाने वाला विवरण जो हरियाणा विधान सभा ने अपने फरवरी, 2009 में हुए सत्र में पारित किये थे तथा जिन पर राज्यपाल महोदय ने अपनी अनुमति दे दी है, सादर सदन की मेज पर रखता हूँ :-

FEBRUARY SESSION, 2009

1. The Punjab Scheduled Roads and Controlled Areas Restriction of Unregulated Development (Haryana Amendment) Bill, 2009.

2. The Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances (Amendment) Bill, 2009.

3. The Haryana Fire Service Bill, 2009.

4. The Haryana Appropriation (No.1) Bill, 2009.

5. The Haryana Appropriation (No.2) Bill, 2009.

6. The Haryana Development and Regulation of Urban Areas (Amendment) Bill, 2009.
7. Pandit Bhagwat Dayal Sharma University of Health Sciences Rohtak (Amendment) Bill, 2009.
8. The Haryana Service of Engineers, Group-A, Public Health Engineering Department Bill, 2009.
9. The Haryana Private Universities (Amendment) Bill, 2009.
10. The Haryana Private Universities (Second Amendment) Bill, 2009.
11. The Haryana Preservation of Sub-Soil Water Bill, 2009.
12. The Haryana Medicare Service Persons and Medicare Service Institutions (Prevention of Violence and Damage of Property) Bill, 2009.
13. The Haryana Value Added Tax (Amendment) Bill, 2009.
14. The Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill, 2009.

कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट

Mr. Chairperson : Hon'ble Members, now I report the time table of various business fixed by the Business Advisory Committee.

The Committee met at 11.00 A.M. on Friday, the 31st July, 2009 in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

" The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs, the Assembly whilst in Session, shall meet on Friday, the 31st July, 2009 at 2.00 P.M. and adjourn after conclusion of Business entered in the List of Business for the day.

On Monday, the 3rd August, 2009, the Assembly shall meet at 2.00 P.M. and adjourn after the conclusion of the Business entered in the List of Business for the day.

The Committee, after some discussion, further recommends that the Business on the 31st July, 2009 and 3rd August, 2009 be transacted by the Sabha as follows :-

Friday, the 31st July, 2009	1. Obituary References.
(2.00 P.M.)	2. Questions Hour.
	3. Presentation and adoption of First Report of the Business Advisory Committee.
	4. Papers to be laid/re-laid on the Table of the House.

5. Presentation of 5th Preliminary Report of the Committee of Privileges and extension of time for presentation of the final Report thereon.

6. Presentation of 3rd Preliminary Report of the Committee of the House to inquire into the details of public properties transferred/auctioned/allotted during the years 1999-2000 to 2004-2005 and extension of time for presentation of the final Report thereon.

7. Presentation, Discussion and Voting on Supplementary Estimates (First Instalment) for the year 2009-10 and the Report of the Estimates Committee thereon.

Saturday, the 1st August, 2009 — **HOLIDAY**

Sunday, the 2nd August, 2009 — **HOLIDAY**

Monday, the 3rd August, 2009
(2.00 P.M.)

1. Questions Hour.

2. Motion under Rule -15 regarding Non-stop Sitting.

3. Motion under Rule-16 regarding adjournment of the Sabha sine-die.

4. Papers to be laid, if any.

5. Presentation of 2nd Preliminary/Interim Report of Committee of Haryana Vidhan Sabha on Yamuna Accords.

6. The Haryana Appropriation Bill, 2009 in respect of Supplementary Estimates (First Instalment) for the year 2009-10.

7. Legislative Business.

8. Any other Business.

Mr. Chairperson: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion that this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Power Minister : (Shri Randeep Singh Surjewala) : Sir, I beg to move -

> That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Chairperson : Motion moved -

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Chairperson : Question is -

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

The motion was carried

सदन की मेज पर रखे गए कागज-पत्र

Mr. Chairperson : Now, a Minister will lay/re-lay papers on the Table of the House.

Power Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Sir, I beg to lay on the Table of the House -

The Haryana Public Service Commission (Additional Functions) Amendment Ordinance, 2009 (Haryana Ordinance No. 5 of 2009).

The Table the Pre-conception and Pre-Natal Diagnostic Techniques (Prohibition of Sex Selection) Haryana Validation Ordinance, 2009 (Haryana Ordinance No. 6 of 2009).

Power Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Sir, I beg to relay on the Table of the House -

The Personnel Department Notification No. G.S.R.31/Const./ Art.320/2008, dated the 21st October, 2008 regarding amendment in Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Regulations, 1973, as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

Power Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Sir, I beg to lay on the Table of the House -

The Personnel Department Notification No. G.S.R.7/Const./Art.320/2009, dated the 18th March, 2009 regarding amendment in Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Regulations, 1973, as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The Annual Accounts & Audit Reports of Haryana State Agricultural Marketing Board, Panchkula for the years 1995-96 to 2004-05, as required under section 19-A(3) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and, Conditions of Service) Act, 1971.

The Grant Utilization Certificate and Audit Report of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University Hisar for the year 2004-05, as required under section 34 (5) of the Haryana and Punjab Agricultural Universities Act, 1970.

The Annual Report of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University Hisar for the year 2005-06, as required under section 39 (3) of the Haryana and Punjab Agricultural Universities Act, 1970.

The Annual Report of Haryana Vidyut Prasaran Nigam Limited for the year 2005-2006, as required under section 619-A (3) (b) of the Companies Act, 1956.

The 34th Annual Report of Haryana Land Reclamation and Development Corporation Limited Panchkula for the year 2007-2008, as required under section 619-A (3) (b) of the Companies Act, 1956.

विशेषाधिकार मामलों के संबंध में विशेषाधिकार समिति का प्रारंभिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना

Mr. Chairperson : Now, Smt. Geeta Bhukkal, Member, Committee of Privileges, will present the Fifth Preliminary Report of the Committee of Privileges with regard to the question of alleged breach of privilege given notice of by Shri Randeep Singh Surjewala, Parliamentary Affairs Minister, Haryana against Shri Om Prakash Chautala, MLA in respect of misconduct, misbehaviour and disorderly disrupting the proceedings of the House, unbecoming of a Member of the House, thereby committing the contempt of the House/breach of privilege on 20.3.2007 and on earlier occasions also and will also move that the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first Sitting of the next Session.

Member, Committee of Privileges (Smt. Geeta Bhukal) : Sir, I beg to present the Fifth Preliminary Report of the Committee of Privileges with regard to the question of alleged breach of privilege given notice of by Shri Randeep Singh Surjewala, Parliamentary Affairs Minister, Haryana against Shri Om Prakash Chautala, MLA in respect of misconduct, misbehaviour and disorderly disrupting the proceedings of the House, unbecoming of a Member of the House, thereby committing the contempt of the House/breach of privilege on 20.3.2007 and on earlier occasions also.

Sir, I also beg to move -

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first Sitting of the next Session.

Mr. Chairperson : Motion moved -

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first Sitting of the next Session.

Mr. Chairperson : Question is -

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first Sitting of the next Session.

The motion was carried.

वर्ष 1999-2000 से 2004-2005 तक की अवधि के दौरान सार्वजनिक सम्पत्तियों के हस्तांतरण/निलामी/आबंटन की विस्तृत जांच करने के लिए सदन की समिति का प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना

Mr. Chairperson : Hon'ble Members now, Shri Phool Chand Mullana, Chairperson, Committee of the Haryana Vidhan Sabha to inquire into the details of public properties transferred/auctioned/allotted during the years 1999-2000 to 2004-2005 will present the Third Preliminary Report of the Committee and will also move that the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first Sitting of the next Session.

(Shri Phool Chand Mullana) Chairperson, Committee of the Haryana Vidhan Sabha to inquire into the details of public properties transferred/auctioned/allotted during the years 1999-2000 to 2004-2005 : Sir, I beg to present the Third Preliminary Report of the Committee of the Haryana Vidhan Sabha to inquire into the details of public properties transferred/auctioned/allotted during the years 1999-2000 to 2004-2005.

Sir, I also beg to move -

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first Sitting of the next Session.

Mr. Chairperson : Motion moved -

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first Sitting of the next Session.

Mr. Chairperson : Question is -

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

The motion was carried

वर्ष 2009-10 के लिए अनुपूरक अनुमान (प्रथम किस्त) प्रस्तुत करना

Mr. Chairperson : Now, the Finance Minister will present the Supplementary Estimates (First Instalment) 2009-2010.

Finance Minister (Shri Birender Singh) : Sir, I beg to present the Supplementary Estimates (First Instalment) 2009-2010.

प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना

Mr. Chairperson : Now, Shri Dharambir Gauba, Chairperson, Committee on Estimates, will present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates (First Instalment) 2009-2010.

Chairperson, Committee on Estimates (Shri Dharambir Gauba) : Sir, I beg to present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates (First Instalment) 2009-2010.

खापों के कार्य करने संबंधी मामले को उठाना

श्री सभापति : मलिक साहब, आप क्या कहना चाहते हैं ?

श्री नरेश मलिक : चेयरमैन साहब, मैं एक बहुत ही जरूरी बात कहना चाहता हूं। हमारे झज्जर जिले में एक बहुत ही खतरनाक स्थिति गोत्र विवाद को लेकर पैदा हो गयी है। वहां पर पूरे गांव को पुलिस छावनी बना दिया गया है।

श्री सभापति : मलिक साहब, क्या आपने इस बारे में लिखकर दिया है ?

श्री नरेश मलिक : चेयरमैन साहब, मैं यह मुद्दा जीरो ऑवर में उठाना चाहता था।

श्री सभापति : आपकी बात ठीक है लेकिन आप इस बारे में लिखकर दे दीजिए ताकि उसके बारे में सरकार अपना जबाव दे सके। केवल कहने से बात नहीं बनेगी आप लिखकर दे दें।

श्री नरेश मलिक : चेयरमैन साहब, इस विषय के ऊपर मैं क्या लिखकर दूंगा ?

श्री सभापति : जो भी आप महसूस करते हैं वही आप लिखकर दे दें।

श्री नरेश मलिक : चेयरमैन साहब, मेरे लिखने से या कहने से क्या होगा क्योंकि यह तो बहुत सैंसटिव इशू है।

श्री सभापति : मलिक साहब, यह मामला कोर्ट के अंदर भी सब-जुडिश है इसलिए इस पर यहां चर्चा नहीं हो सकती है। फिर भी आप जो चाहते हैं वह लिखकर दे दीजिए, सरकार उस पर अपना जवाब लिखकर दे देगी।

श्री नरेश मलिक : सर, मैं तो इस बारे में बोलना चाहता था।

श्री सभापति : नहीं, आप लिखकर दे दें।

श्री नरेश मलिक : ठीक है सर।

वर्ष 2009-10 के लिए अनुपूरक अनुमानों की मांगों (प्रथम किस्त) पर चर्चा तथा मतदान

Mr. Chairperson : Hon'ble Members, now the discussion and voting on the Supplementary Estimates 2009-2010 (First Instalment) will take place.

As per past practice and in order to save the time of the House, all the demands on the order paper (Sr. Nos.8 and 12 to 13) will be deemed to have been read and moved. Hon'ble Members, can discuss any demand but they are requested to indicate the demand number on which they wish to raise the discussion.

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 50,00,00,000/-** for revenue expenditure and **Rs. 159,00,00,000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2010 in respect of **Demand No. 8- Buildings & Roads.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 39,50,00,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2010 in respect of **Demand No. 12- Labour & Employment.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 754,23,48,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2010 in respect of **Demand No. 13- Social Welfare and Rehabilitation.**

श्री एस०एस० सुरजेवाला (कैथल): चेयरमैन साहब, मैं सप्लीमैंट्री ऐस्टीमेट्स पर बोलना चाहूंगा। मैं केवल एक ही इशू पर बोलना चाहूंगा और वह इशू यह है कि हरियाणा की वर्तमान सरकार ने पिछले चार साढ़े चार साल में समाज के जो विभिन्न तबके हैं उनके लिए बहुत ही लाभकारी कदम उठाये हैं। बहुत से कानूनों में भी तरमीम की और बहुत से ऐडजैक्टिव ऑर्डर्ज से सभी लोगों को कंसैशन दिये। केन्द्र में जो यू०पी०ए० की सरकार है जिसकी नीतियां और कार्यक्रम हरियाणा सरकार अपने प्रदेश में भी लागू कर रही है जिसके परिणामस्वरूप अभी हाल ही में हुए पार्लियामैंट के इलैक्शंज में उनको भारी कामयाबी मिली है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह बातें इसलिए कहना चाहता हूं क्योंकि मैं विशेष तौर से किसान खेत-मजदूर कांग्रेस का तमाम हिन्दुस्तान का मैं अध्यक्ष भी हूं और इस नाते मैंने मुख्यमंत्री जी से रिक्वैस्ट की और उन्होंने किसानों को और खेत से जुड़े लोगों को पिछले पांच सालों में बहुत सी सुविधायें दी। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी का हरियाणा के किसानों की तरफ से और गरीब मजदूरों की तरफ से आभार प्रकट करना चाहता हूं। किसानों के लिए गिरफ्तारी का काला कानून जो था, जिसके तहत किसान को कर्ज न देने पर 40 दिन के लिए सिविल प्रिजन में डाल देते थे और उस अवधि का उसका जो जेल में रहने पर खाने आदि का खर्च था उसको भी उस कर्ज में लिख देते थे ऐसे खराब काले कानून को मुख्यमंत्री जी ने स्टेच्यूट बुक में से खत्म कर दिया। अब कोई भी किसान या कोई भी गरीब आदमी जिन्होंने कोऑपरेटिव से कर्ज ले रखा है उसको अब गिरफ्तार नहीं कर सकते। ज्यादा समय न लेकर सिर्फ कुछ महत्वपूर्ण सुझाव ही रखना चाहूंगा। भारत सरकार ने यू०पी०ए० की गवर्नमैंट ने किसानों के कर्ज पर ब्याज की दर 14 परसैंट से घटाकर 7 परसैंट की है।

एन०डी०ए० की सरकार ने अपने पांच साल के कार्यकाल में 50 रुपये गेहूं के और 50 रुपये जीरी की एम०एस०पी० बढ़ाई थी और हमारी सरकार के पांच साल के कार्यकाल में गेहूं और जीरी की एम०एस०पी० में 50 रुपये के मुकाबले 450,475 और 500 रुपये तक बढ़े और बहुत सी रियायतें किसानों को दीं। इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण दूसरा इंकलाबी काला कानून जो था उसको खत्म करने के लिए हमारे मुख्यमंत्री जी ने एक कमेटी बनाई। पिछले सैशन में यह कमेटी बनाई थी, उस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट दे दी है मुझे उम्मीद है कि जल्द ही वह आएगी। पहले उसमें यह था कि किसानों द्वारा कर्ज न चुकाने पर बैंकों द्वारा उनकी जमीन नीलाम कर दी जाती थी, अब यह सरकार इस बारे में एक कानून लेकर आने वाली है जिसके तहत बैंक किसान की जमीन को नीलाम नहीं कर सकेंगे बल्कि चकौते पर जमीन को देकर किसान के परिवार के खाते में पैसा हर साल जमा करके उस जमीन के जब पैसे पूरे हो जाएंगे तब जमीन किसान को वापस मिल जाएगी और किसान इस नीलामी की बड़ी भारी समस्या से बच जाएगा। सभापति महोदय, जहां मैं इन बातों के लिए आभार प्रकट करना चाहूंगा वहीं मैं एक बात हैल्थ के बारे में अवश्य कहना चाहूंगा कि हैल्थ के बारे में सरकार ने गरीबों के लिए बहुत सी रियायतें दी हैं और भारत सरकार ने भी हैल्थ इंश्योरैंस का कानून बनाया है। मैं कहना चाहूंगा कि हैल्थ के बारे में भारत सरकार की थर्ड रिपोर्ट छपी है उसमें नॉर्थ इंडिया की स्टेट्स जो सरक्की पसंद कही जाती है उनमें हरियाणा भी शामिल है।(विघ्न)

श्री सभापति : नरेश यादव जी, सीनियर मैंबर बोल रहे हैं इसलिए प्लीज बीच में इंट्रप्ट न करें।

श्री एस०एस० सुरजेवाला : सभापति महोदय, उस रिपोर्ट के मुताबिक गांव की 80 प्रतिशत महिलाएं ऐनीमिक हैं और बच्चे भी ऐनीमिक हैं। डिलीवरी के वक्त 54 परसैंट बच्चे अंडर वेट पैदा होते हैं अर्थात् जितना स्टैंडर्ड वेट होना चाहिए, उससे कम है। इसका मतलब यह है कि पूरी उम्र के लिए कमी रहेगी और मेकअप नहीं हो पाएगी। 14 परसैंट बच्चे स्टंटिड हैं, न दिमाग पूरा है, न शरीर पूरा है और उनको बुरी हालत में मर ही जाना है। इसका मतलब यह है कि न्यूट्रीशियस फूड अर्थात् पौष्टिक आहार गांव में साधारण आदमी के लिए उपलब्ध नहीं है और खास तौर से महिलाओं और बच्चों के लिए न्यूट्रीशियस फूड उपलब्ध नहीं है। ये जो कौम है जिसके बच्चे और महिलाएं इतनी कमजोर हैं, ऐनीमिक हैं, अंडरवेट बच्चे होंगे, क्या आप समझ सकते हैं कि ये कौम कोई इतनी बहादुर और मजबूत कौम बन सकती है ? अगर पुरुषों की, महिलाओं की और बच्चों की सेहत अच्छी नहीं होगी तो 16.00 बजे जितनी भी सरकार की उपलब्धियां हैं ये सारी उपलब्धियां बेमायनी हो जाएंगी। मैं ज्यादा विस्तार में न कहते हुए एक ही बात कहना चाहूंगा, फाइनैंस मिनिस्टर जी बैठे मेरी बात सुन रहे हैं और मुख्यमंत्री महोदय भी अपने कमरे में बैठकर मेरी बात को सुन रहे होंगे। जो बिल्ली पावर्टी लाइन परिवार है उनके पास गाय या भैंस नहीं हैं। क्या सरकार इस बात पर विचार करेगी कि ऐसे परिवारों को जिनके पास कोई दुधारू मवेशी नहीं है, उनको सरकार एक एक गाय या एक एक भैंस देने का प्रावधान करे ? क्योंकि दूध ऐसी चीज है जो आहार को पौष्टिक बना सकती है। दूध बच्चों के लिए और महिलाओं के लिए बहुत जरूरी है। आज गरीब आदमी को दूध उपलब्ध नहीं है, आज पौष्टिक आहार की कमी है। (विघ्न) हरियाणा के लोगों में, महिलाओं में और बच्चों में जो कमियां हैं उनको दूर करने के लिए और उन्हें और ज्यादा मजबूत बनाने के लिए दूध बहुत जरूरी है। गरीब परिवारों की महिलाओं की, बच्चों की कमी को दूर करने के लिए सरकार को कोई विशेष स्कीम बनानी चाहिए, इसके लिए सबसे आसान इलाज है दूध। क्योंकि यदि गरीब बच्चों को, महिलाओं को और गर्भवती महिलाओं को दूध मिलेगा तो उनके अंदर होने वाली कमी को दूर किया जा सकता है। खुराक की कमी से ही

बीमारियां होती हैं और खुराक की कमी से ही शरीर में कमजोरियां होती हैं। सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

Mr. Chairperson: Thank you, Surjewala Ji. Anybody else who wants to speak on this matter ?

प्रो० छत्तरपाल सिंह: सभापति महोदय, मैं इस विषय पर बोलना चाहता हूं।

श्री सभापति: ठीक है, आप बोलें। आप कितने समय में अपनी बात खत्म कर लेंगें।

Prof. Chhatar Pal Singh: Whatever time you prefer to give me to speak?

Mr. Chairperson : O.K. conclude in 2 minutes only.

प्रो० छत्तरपाल सिंह (घिराय) : सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए दो मिनट का समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। मैं आपके माध्यम से इस सदन का और सरकार का ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहता हूं कि हरियाणा में कुछ रोड्स के ऊपर पैसा लग चुका है लेकिन वे रोड्स अभी तक कम्पलीट नहीं हुई हैं। मिनिस्टर्स 5-5 साल तक बजारत चलाए जाते हैं लेकिन वे इस बात का कोई एकाउंट्स नहीं लेते कि कौन सा पैसा कितनी सड़कों पर और कहां कहां लगा। वह पैसा सड़कें कम्पलीट न होने की वजह से बेकार चला जाता है। (विघ्न) मैंने इस हाउस के अंदर कई बार सरकार का और मंत्री महोदय का ध्यान इस ओर दिलाया है कि हरियाणा में बहुत सी सड़कें ऐसी हैं जिन पर 1980 में, 1990 में और 2000 में अर्थवर्क हुआ है और कई सड़कों पर तो मैटलिंग भी हो चुकी है लेकिन वे आज तक कम्पलीट नहीं की गई हैं। मेरे विधान सभा क्षेत्र में कैलाना से दौलतपुर को एक सड़क जाती है वह अभी तक कम्पलीट नहीं हुई है, इस बारे में मैंने सरकार को कई बार लैटर भी लिखे हैं, विधान सभा में भी इस बात को मैंने कई बार उठाया है लेकिन आज तक उस सड़क को कम्पलीट करने का कोई काम नहीं किया गया। यहां सप्लीमैंट्री एस्टीमेटस पर, एप्रोप्रिएशन पर और बजट पर हर विधायक की मोहर लगती है और उनकी कंसैंट ली जाती है। विधायक, मंत्री अपनी स्टेट की और अपने हल्के से सम्बन्धित जिन चिंताओं को यहां व्यक्त करते हैं उनको लाइटली नहीं लिया जाना चाहिए। जो बात मंत्री महोदय के और सरकार के नोटिस में ला दी जाए उसका स्पैसीफिक टाइम के अन्दर जवाब आ जाना चाहिए जिससे सरकार की कारगुजारी और सरकार के प्रशासनिक सिस्टम में सुधार आएगा और उससे लोगों को फायदा होगा। तभी जो पैसा पब्लिक का है जिसका हम यहां बैठ कर के फैसला करते हैं उसका सदुपयोग लोगों के पक्ष में किया जा सकेगा। मैंने पावड़ा गांव की बिल्डिंग का जिक्र इस सदन में कई बार किया है। यह जो बिल्डिंग है इसमें पहले जब जे०बी०टी० आई थी उसकी इतिहास की क्लासिज शुरू हुई थी बाद में यह बिल्डिंग वोकेशनल एजूकेशन को ट्रांसफर कर दी गई लेकिन आज तक उस बिल्डिंग के रख-रखाव के ऊपर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। मैं इस सदन के अंदर कई बार दोहरा चुका हूं, कह चुका हूं लेकिन आज तक संबंधित विभाग के वजीर ने मेरी स्टीसफैक्शन के लिए उसके अंदर काम नहीं किया है। सभापति महोदय, मैं इस सप्लीमैंटरी एस्टीमेट के अंदर जो सोशल वैलफेयर से संबंधित स्कीम के ऊपर, रिहबलीटेशन के ऊपर माननीय सुरजेवाला जी सदन का ध्यान केन्द्रित कर रहे थे उस पर बताना चाहूंगा कि जो हमारे फाइनैंशियल बजट्स में पैसा रखते हैं। मुझे यह बात कहने में दिक्कत नहीं है मैं कहना चाहता हूं कि उस पर सुधार की आवश्यकता है कि जो जिलों के अंदर यह स्कीम इमप्लीमैंट करने का काम करते हैं उसमें बहुत सारी शिकायतें रहती हैं और उन शिकायतों के निपटारे के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया जाता है।

(घंटी)

श्री सभापति : प्रोफेसर साहब, आप कंक्लूड करें।

प्रो० छत्रपाल सिंह : सभापति महोदय, मैं अपनी बात अभी समाप्त कर दूंगा बशर्ते की आप मंत्री महोदय से सदन के बीच में एश्योरैंस दिलवायें कि ये मेरा काम करेंगे। सभापति महोदय, आज आप बहुत बड़ी चेयर पर बैठे हैं क्या आज मेरा बोलना और आपका घंटी बजाना व्यर्थ जायेगा। आपके द्वारा इस चेयर पर बैठने से मेरी उम्मीदें बढ़ जाती हैं क्योंकि आप बहुत अच्छे व्यक्तित्व के धनी हैं। प्रशासनिक सुधार के चेयरपर्सन का भी आपको तजुर्बा है। आप कई बार मेरे साथ व्यक्तिगत मीटिंग्ज में भी इन बातों का जिक्र करते रहते हैं। यह दर्द अगर मेरा है तो आपका भी होगा। सभापति महोदय, पी०डब्ल्यू०डी० (बी० एण्ड आर०) मिनिस्टर आपके सामने बैठे हैं। मैंने कनाला से धोजपुर सड़क के बारे में इस सदन में कई बार जिक्र किया है। आप चाहें तो रिकॉर्ड उठाकर देख लें। मैंने रिपीटिडली कहा है लेकिन आज तक इसके बारे में मंत्री जी का कोई जवाब नहीं आया है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : सभापति महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि हम कनाला से धोजपुर सड़क को पूरा बनवा देंगे।

प्रो० छत्रपाल सिंह : सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने इसको बनाने के लिए समय सीमा निर्धारित नहीं की है आप पब्लिक इन्ट्रस्ट में समय सीमा भी निर्धारित करवा दें तो बहुत अच्छा होगा।

श्री नरेश यादव (अटेली) : सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। हमारे माननीय पी०डब्ल्यू०डी० (बी० एण्ड आर०) मिनिस्टर बैठे हैं। मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि पूरे प्रदेश में बहुत बहुत अच्छी सड़कें मेहनत से बनाई गई हैं। सभी सड़कें बहुत अच्छी बनकर तैयार हैं लेकिन बहुत जल्दी ही सड़कों की हालत खराब होती जा रही है। इसका मेन कारण यह है कि जो ओवर लोडिड ट्राले या ट्रक चल रहे हैं इनका कोई सिस्टम बनाना चाहिए। इन ट्रॉले और ट्रकों से हर रोज दुर्घटनाएं भी बहुत हो रही हैं। इनके ओवर लोड को रोकने के लिए बैरीयर लगाकर कोई तरीका निकाला जाना चाहिए।

श्री सभापति : यादव जी, क्या तरीका निकाला जाना चाहिए वह भी तो आप सुझायें ?

श्री नरेश यादव : सभापति महोदय, इन ट्रॉलों पर आर०टी०ओ० लगे हुए हैं अगर हम पुलिस को छूट दे देंगे तो 2-4 दिन सख्ताई होती है बाद में पुलिस वाले भी वही काम शुरू कर देते हैं। मैं तो यह सुझाव देना चाहूंगा कि मेन-मेन जगहों पर कांटे लगाने चाहिएं और उन ट्रालों का वेट करने का प्रबन्ध होना चाहिए। सभापति महोदय, मैं एक बात यह भी आपके माध्यम से सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूं कि वहां पर जो लोग ओवर लोडिड ट्रैफिक चलाते हैं वे चैकिंग स्टाफ को रिश्वत देकर यह सब कर रहे हैं। रिश्वत के बलबूते पर वे लोग भारी संख्या में ओवर लोडिड ट्राले चला रहे हैं। इन रोड्ज़ पर साईकिल, स्कूटर और मोटर साईकिल लेकर चलना तो मौत को गले लगाने के समान है। इसके अलावा वहां पर छोटी गाड़ियां चलाना भी खतरे से खाली नहीं है। नारनौल से रिवाड़ी, नारनौल से नांगल चौधरी और नारनौल से निजामपुर इन तीनों रोड्ज़ की ओवर लोडिड ट्रैफिक के कारण बहुत बुरी हालत है। इसलिए मेरी आपके माध्यम से सरकार से यही रिकवैस्ट है कि एक तो इस अवैध ओवर लोडिड ट्रैफिक पर तुरन्त प्रभाव से शिकंजा कसा जाये और दूसरा इन रोड्ज़ को चौड़ा करने का काम भी जल्दी से जल्दी अगर सम्भव हो तो आगामी विधानसभा चुनावों से पहले मुकम्मल किया जाये। इसके लिए मैं यह सुझाव भी दूंगा कि अगर जरूरी हो तो इस काम के लिए माननीय मंत्री इस सैशन में स्पैशल बजट सैक्शन करवा लें।

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : सभापति महोदय, जहां तक माननीय सदस्य ने ओवर लोडिड ट्रैफिक की चैकिंग की बात कही है इस बारे में मैं इनको आश्वस्त करना चाहूंगा कि ओवर लोडिड ट्रैफिक की चैकिंग करके उस पर शिकंजा कसने के लिए जल्दी ही हम कारगर कदम उठायेंगे। इसके अलावा जहां तक माननीय सदस्य द्वारा बताये गये तीन रोड्ज़ को चौड़ा करने के सम्बन्ध में आपके माध्यम से माननीय सदस्य से अनुरोध करूंगा कि वे इसके लिए मुझे सैपरेट नोटिस दें तभी मैं इस बारे में अपने अधिकारियों से विचार-विमर्श करके आगामी निर्णय लेकर कार्यवाही कर सकूंगा।

Mr. Chairperson: Now, I put the various demands to the vote of the House.

Question is -

That a Supplementary sum not exceeding **Rs.50,00,00,000/-** for revenue expenditure and **Rs. 159,00,00,000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2010 in respect of **Demand No. 8- Buildings & Roads.**

The motion was carried

Haryana Vidhan Sabha Secretariat ★ Chandigarh ★ LIBRARY

Mr. Chairperson : Question is -

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 39,50,00,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2010 in respect of **Demand No. 12- Labour & Employment.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 754,23,48,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2010 in respect of **Demand No. 13- Social Welfare and Rehabilitation.**

The motion was carried

Mr. Chairperson : Now, the House is adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the 3rd August, 2009.

* 16.11 hrs. (The Sabha then * adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the 3rd August, 2009.)

46530—H.V.S.—H.G.P., Chd.